राजधानी से प्रकाशित RNI NO. UPHIN/2010/33668

अंदाज़-ए-लखनऊ

सुल्तानपुर, हापुड़ एवं शाहजहांपुर में प्रसारित हिन्दी साप्ताहिक

वर्ष-11 अंक-22 लखनऊ, मंगलवार 12 जनवरी, 2021 पृष्ठ : 8 मूल्य : एक रूपया

उत्तर प्रदेश में पहुंचा बर्ड फ्लू

कानपुर में अलर्ट जारी

कानपुर उत्तर प्रदेश के कानपुर के चिड़ियाघर में मरे कुछ परिंदों में बर्ड फ्लू वायरस पाए जाने के बाद यहां अलर्ट जारी कर दिया गया है। जिलाधिकारी ने इसकी जानकारी दी। जिलाधिकारी आलोक तिवारी ने रविवार को बताया कि चिड़ियाघर में कुछ मरे हुए परिंदों में बर्ड फ्लू का वायरस पाए जाने के बाद जिले में अलर्ट घोषित कर दिया गया है और चिड़ियाघर के एक किलोमीटर के दायरे को संक्रमण जोन घोषित किया गया है तथा इस सीमा के अंदर सभी कुक्कुट फार्म पर अभियान चलाकर संक्रमण के संदेह में आने वाली मुर्गी-मुर्गो को नष्ट किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन ने जिले की चिकन तथा अंडे की सभी दुकानों को अगले आदेश तक बंद रखने के लिये कहा है।साथ ही मुर्गे-मुर्गियों तथा गैर-प्रसंस्कृत कुक्कुट मांस की खेप के कानपुर जिले की सीमा में दाखिले पर एहतियातन पाबंदी लगा दी गई है। जिलाधिकारी ने बताया कि कानपुर चिड़ियाघर के 10 किलोमीटर के दायरे की अनिश्चित काल तक घेराबंदी करने का फैसला किया गया है। तिवारी ने बताया कि बर्ड फ्लू के लिए भी बचाव का वही प्रोटोकॉल लागू किया गया है जो कोविड-19 के लिए है। अपर जिला अधिकारी (नगर) अतुल कुमार ने बताया कि बर्ड फ्लू को और अधिक फैलने से रोकने के लिए जिले में धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है। चिकन की दुकानों की जांच के लिए टीमें गठित की गईं हैं। नष्ट किए जाने वाले परिंदों के निस्तारण के लिए समुचित इंतजाम किए गए हैं। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन ने मुर्गे-मुर्गियों तथा जंगली एवं प्रवासी पक्षियों में असामान्य तौर पर बीमारी फैलने या उनकी मौत होने की घटनाओं पर कड़ी नजर रखने के लिए एक परामर्श जारी किया है। गौरतलब है कि गत छह जनवरी को कानपुर चिड़ियाघर में कुछ परिंदे मृत पाए गए थे। भोपाल स्थित हाई सिक्योरिटी एनिमल डिजीज लेबोरेटरी की जांच में उनमें बर्ड फ्लू वायरस पाया गया था।

डायल 112 यूपी से कार्यमुक्त हुए दो अपर पुलिस अधीक्षक

लखनऊ. 112 यूपी मुख्यालय में कार्यरत अपर पुलिस अधीक्षक दिगंबर कुशवाहा और डॉ प्रवीण रंजन सिंह को आज अपनी तैनाती वाली जगह के लिए हुए कार्यमुक्त दिगंबर कुशवाहा का लखनऊ कमिश्नरेट और डॉ प्रवीण रंजन का बिजनौर के लिए हुआ स्थानांतरण वर्तमान में अपर पुलिस अधीक्षक फील्ड सर्विस के पद पर रहते हुए दिगंबर कुशवाहा ने 23 महीने तक यूपी 112 को दी अपनी सेवा वहीं डॉ प्रवीण रंजन ने वर्तमान में अपर पुलिस अधीक्षक प्रशासन के पद पर कार्यरत थे डॉ प्रवीण रंजन ने करीब 25 माह तक डायल 112 को अपनी सेवा प्रदान की लॉकडाउन के दौरान दोनों अधिकारियों ने डायल 112 को सराहनीय योगदान प्रदान किया आज मिली तैनाती।

झंडेवाला पार्क में मनाई गयी स्वामी विवेकानंद की जयंती

लखनऊ। प्रतिवर्ष की भांति स्वामी विवेकानद जी के जन्मदिवस पर झंडेवाला पार्क अमीनाबाद में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संघ के अखिल भारतीय बौद्धिक प्रमुख स्वांत रंजन कार्यक्रम के आयोजक पूर्व नेता विधान परिषद विंध्यवासिनी कुमार साथ में महापौर संयुक्त भाटिया, विधायक अवनीश सिंह बीजेपी के प्रदेश सहित अनेक गणमान्य लोगो ने स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किया। इस अवसर पर कार्यक्रम के आयोजक पूर्व नेता विधान परिषद विंध्यवासिनी कुमार ने कहा की इस पार्क से भारत की आजादी के आंदोलनों के कई संस्मरण जुड़े हुए है, बाबू गंगा प्रसाद द्वारा इस पार्क का निर्माण कराया गया। विन्ध्यवासिनी कुमार ने कहा कि कई बार के प्रयासों के फ्लस्वरुप इस ऐतिहासिक पार्क के तीन प्रवेश द्वार के नाम स्वामी विवेकानंद द्वार,इस पार्क का निर्माण कारने वाले बाबू गंगा प्रसाद द्वार और शहीद गुलाब सिंह लोधी द्वार नगर निगम द्वारा कर दिया गया है। विन्ध्यवासिनी कुमार ने कहा इस पार्क में एक पुस्तकालय बने जिसमे देश की आजादी से जुड़े साहित्य और स्वामी विवेकानंद के जीवन से जुड़े संस्मरण भाषण का संकलन हो साथ ही पार्क में स्वामी विवेकानंद जी द्वारा शिकागो में दिए गए प्रथम 4 मिनट के भाषण का शिलापट्ट बने इस हेतु प्रयास जारी है। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संघ के अखिल भारतीय बौद्धिक प्रमुख स्वांत रंजन ने कहा की हम स्वामी विवेकानंद जी जैसे विराट व्यक्तित्व को क्यों याद करते है क्योकिं स्वामी विवेकानंद जी से हम सभी को भारत की सनातन संस्कृति को स्वयं के आचरण में उतारने एवं इस हेतु समाज में कार्य करने की शक्ति एवं संबल मिलता है। स्वांत रंजन जी ने बताया की राम मंदिर निर्माण हेतु जन जन जोड़ो अभियान प्रारंभ हो चुका है। इस अवसर पर स्वांत रंजन ने स्वामी विवेकानंद जी के जीवन के कई संस्मरण सुनाये अपने बताया की एक बार स्वामी विवेकानंद जी तीन दिन से विभिन्न लोगो के साथ ज्ञान संस्कृति पर चर्चा कर रहे थे लोग आते स्वामी जी से ज्ञान प्राप्त करते और चले जाते। एक शुद्र इस घटना पर नजर रखे हुआ था उसने देखा की स्वामी जी को भोजन के लिए कोई नहीं पूछ रहा है और स्वामी जी तीन दिन से भूखे है। अतः तीसरे दिन की समाप्ति पर उस शुद्र ने स्वामी विवेकानंद जी से भोजन के लिए पूछा तो स्वामी विवेकानंद जी ने कहा जो वो भोजन करे वही मुझे भी करा दे। इस प्रकार स्वामी विवेकानंद ने सन्देश दिया की हमारे देश का सबसे नीचे तबके का प्राणी भी समाज के प्रति कितना संवेदनशील है कि उससे मेरी भूख नहीं देखि गयी स्वामी विवेकानंद जी ने कहा की निर्भय होकर काम करो। डरे वो जो पापी विचारो का समर्थन करता हो। हमें समाज में निडर होकर काम करना है। स्वामी विवेकानंद ने दरिद्र की सेवा ही नारायण की सेवा है कहा है। कार्यक्रम में महापौर संयुक्त भाटिया ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम में विधायक अवनीश सिंह पार्षद शशि गुप्ता ज्ञान प्रकाश, राहुल निगम, क्षेत्रीय मंत्री जयति श्रीवास्तव डा सरिता श्रीवास्तव, प्रान्त कार्यवाह सुभाष, के के शुक्ला, विजयसेन, राजीव बाजपेयी आशुतोष श्रीवास्तव, हरीश चन्द श्रीवास्तव, संजय शुक्ल,रोहित नंदन जी,अमिताभ चक्रवर्ती ,कपिल सोनी जी अधिवक्ता गिरीश सिन्हा,विकर्ष श्रीवास्तव,विश्वेश कुमार,किशन कुमार, डा हृदेश,अमित द्विवेदी,गिरीश गुप्ता,रजनीश गुप्ता, जीतेन्द्र राजपूत, शैलू सोनकर, हिमांशु सोनकर,अंकुर जॉली,मनोज श्रीवास्तव सहित अनेक गणमान्य लोगो ने स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

ठाकुरगंज में लापता हुआ दसवीं का छात्र तलाश में जुटी पुलिस

आलमबाग मर फाइबर बोर्ड फैक्ट्री में लगी आग अग्नि सुरक्षा उपकरणों ने बचाया बड़ा हादसा

लखनऊ। ठाकुरगंज थाना क्षेत्र के फ़रीदीपुर में रहने वाला एक दसवीं का छात्र 6 दिन पूर्व कोचिंग जाने के लिए घर से निकला और वापस नहीं आया। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर छात्र की तलाश शुरू कर दी है वहीं आलमबाग थाना क्षेत्र के गढ़ी कनौरा में मंगलवार की सुबह एक फाइबर बोर्ड फैक्ट्री में अचानक लगी आग को फैक्ट्री में लगे अग्नि सुरक्षा उपकरणों की मदद से तत्काल काबू में कर लिया गया। कोई जनहानि या माल का बड़ा नुकसान नहीं हुआ है। जानकारी के अनुसार पेंटिंग का काम करने वाले अवधेश कुमार शर्मा अपने परिवार के साथ ठाकुरगंज थाना क्षेत्र के सुमित नगर फ़रीदीपुर में रहते हैं। उनका 17 वर्षीय पुत्र मयंक शर्मा बुद्धेश्वर के पास बने आरडी इंटर कॉलेज में दसवीं क्लास की पढ़ाई कर रहा है। मयंक शर्मा इसी महीने की 6 तारीख को घर से कोचिंग जाने की बात कह कर निकला था वापस नहीं आया।

अन्तर्राष्ट्रीय पर्यावरण ओलम्पियाड 19 जनवरी से

लखनऊ। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, गोमती नगर (द्वितीय कैम्पस) द्वारा तीन दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय पर्यावरण ओलम्पियाड (आई.ई.ओ.-2021) का आयोजन 19 से 21 जनवरी तक ऑनलाइन किया जा रहा है। इस अन्तर्राष्ट्रीय पर्यावरण ओलम्पियाड में जर्मनी, जार्डन, रूस, कैनडा, आयरलैंड, श्रीलंक, नेपाल एवं भारत के विभिन्न राज्यों से मेधावी छात्र प्रतिभाग कर रहे हैं। ओलम्पियाड का उद्घाटन 19 जनवरी को मुख्य अतिथि डा. दिनेश शर्मा, उप-मुख्यमंत्री, उ.प्र. द्वारा ऑनलाइन किया जायेगा। उक्त जानकारी सी.एम.एस. के मुख्य जन-सम्पर्क अधिकारी हरि ओम शर्मा ने दी है। श्री शर्मा ने बताया कि पर्यावरण पर आधारित यह अन्तर्राष्ट्रीय ओलम्पियाड पर्यावरणीय मुद्दों को मानवीय चेहरा देने का सतत् प्रयास है, जो छात्रों व युवा पीढ़ी को बदलते पर्यावरण की नवीनतम जानकारियों से अवगत कराने के साथ ही पर्यावरण संरक्षण हेतु जागरूकता को बढ़ाने एवं इस दिशा में सक्रिय भागीदारी निभाने हेतु प्रेरित करेगा।

लक्षणों व उसके बचाव की जानकारी

बर्ड फ्लू को लेकर आमजनमानस में अफवाहों के आधार पर अनावश्यक भय एवं भ्रान्तियां न फैलने पाये-डीएम

रायबरेली -जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव ने मुख्य विकास अधिकारी, अपर जिलाधिकारी, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, मुख्य चिकित्सधिकारी समस्त एसडीएम आदि अधिकारियों को निर्देश दिये कि पक्षियों में एवियन एन्फ्लुएन्जा (बर्ड फ्लू) बीमारी से बचने हेतु सभी आवश्यक सावधानियां बरतने के साथ ही लोगों को जागरूक करने के निर्देश देने के साथ ही शासन के निर्देशों के अनुपालन में पर्याप्त सुरक्षात्मक कदम उठाये जाने के निर्देश दिये है उन्होंने कहा कि इससे घबराने की जरूरत नही है तथा बर्ड फ्लू को लेकर आमजनमानस में अफवाहों के आधार पर अनावश्यक भय एवं भ्रान्तियां न फैलने पाये। आमजनमानस में आत्मविश्वास जागृत करने के लिए कुक्कुट मांस के सुरक्षित उपभोग के लिए जनजागरण अभियान चलाते हुए जागरूकता उत्पन्न किया जाए। चिकित्सालयों में प्रर्याप्त मात्रा में औषधियां उपलब्ध रहे साथ ही पीपीईटी किट व फेस मास्क आदि का उपलब्ध रहे। रैपिड रिसपोन्स टीमें व कन्ट्रोल रूम पूरी तरह से सक्रिय रखा जाए। प्रतिदिन जाने वाली पशु पालन निर्देशालय को सूचना समय से उपलब्ध कराई जाए। मुर्गियों/अन्य पक्षियों तथा अण्डो का परिवहन खुले वाहनों से न किया जाए जिससे परिवहन के दौरान पंख/बीट इत्यादि बाहर न निकले। कुक्कुट व्यवसाही साफ-सफाई के साथ सरकार की एडवाईजरी का पालन करें।

जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव के निर्देश पर अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) राम अभिलाष ने बचत भवन के सभागार में बर्ड फ्लू की समीक्षा बैठक करते हुए निर्देश दिये कि प्रवासी पक्षियों एवं कुक्कुट फार्मो की निरन्तर कड़ी चैकसी रखी जाए कही पर पक्षियों की अचानक मौत होती है तत्काल नियमानुसार कार्यवाही की जाए। सीवीओं डा० गजेन्द सिंह व अपर मुख्य चिकित्साधिकारी ने बताया कि या वायरस 70 डिग्री सेटिगेड तापमान पर खत्म हो जाता है जो पक्षियों के सम्पर्क में रहते है उन्हें ज्यादा होने की सम्भावना होती है अगर सुरक्षा के साथ कार्य करे। इसके अलावा अण्डा, चिकन, मांस आदि को ठीक से पकाकर ही खाना ही चाहिए पके हुए से कोई बर्ड फ्लू की सम्भावना खत्म हो जाती है। बैठक के दौरान बर्ड फ्लू के लक्षण और उसके बचाव आदि की विस्तार से जानकारी दी गई।

डीएम ने सिविल लाईन व प्रभु टाउन मे बने भवनों को किया निरीक्षण दिये उचित दिशा निर्देश

रायबरेली -जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव ने सिविल लाईन चैराहे के निकट व प्रभु टाउन गेट के निकट बने भवनों का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान आरडीए व एसडीएम सदर को निर्देश दिये कि अपने-अपने क्षेत्रों के लेखापाल द्वारा जनपद में बनाये गये भवन जिनका नक्शा पास नही है या अवैध रूप से बनाये गये है या अवैध रूप से कई मंजिलों के भवन या मकान तैयार किये जा रहे है उनकी सूची बनाकर दें ताकि उनके विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जा सके।

सिविल लाईन चैराहे के निकट बनी भवन के बारे में अधिकारियों से जानकारी ली कब-कब निरीक्षण किया तथा सीज आदि कार्यवाही की या नही उचित जानकारी न पाये जाने पर सम्बन्धित अधिकारी के वेतन रोकने के निर्देश दिये। इसी प्रकार प्रभु टाउन के बने भवनों का भी निरीक्षण किया तथा निर्देश दिये कि जनपद में जो निमार्ण कार्य या भवन बने उनका नक्शा आदि होना व पास होना जरूरी है पार्किंग, वृक्षारोपण आदि के साथ ही मांगी गई एनओसी भी जरूरी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि कही पर अवैध निर्माण का कार्य न किया जाए तथा सरकारी समपत्तियां व सरकारी भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा आदि न होने पाये।

मोदी सरकार ने दीनदयाल उपाध्याय के सपनों को पूरा किया

सीतापुर। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने अनुसूचित जाति के छात्रों को समृद्ध व आत्मनिर्भर बनाने हेतु मेट्रिकोत्तर छात्रवृत्ति बजट में पांच गुना वृद्धि करके समाज के अंतिम पादान पर खड़े व्यक्ति के उत्थान के दीनदयाल उपाध्याय के सपनों को पूरा करने का काम किया है। यह उद्‌गार भाजपा नगर कार्यालय में पूर्व मंत्री व हैदरगढ़ बाराबंकी के विधायक बैजनाथ रावत ने पत्रकार वार्ता के दौरान कही। विधायक श्री रावत ने कहा की मोदी सरकार ने अनुसूचित, गरीब, वंचित वर्ग की सच्चे मन से चिंता की है। उन्होंने कहा कि मेट्रिकोत्तर छात्रवृति का वर्तमान बजट जो कि अभी तक 11 हजार करोड़ था। उसे पांच गुना बढ़ाकर मोदी सरकार ने 60 हजार करोड़ कर दिया है। इससे देश के 1 करोड़ 36 लाख गरीब छात्रों को लाभ पहुँचेगा। श्री रावत ने कहा कि इसमें से 60 प्रतिशत धन केंद्र सरकार देगी शेष राज्य सरकारें वहन करेंगी। उन्होंने कहा कि मैट्रिक पास करके गरीब अनुसूचित वर्ग के जो छात्र धनाभाव के कारण उच्चतर शिक्षा से वंचित रह जाते थे। वो अब उच्चतर शिक्षा प्राप्तकर कर आत्मनिर्भर व समृद्ध बनकर देश के नवनिर्माण में अपना योगदान दे सकेंगे। विधायक श्री रावत ने कहा कि केंद्र की मोदी व प्रदेश की योगी सरकार समाज के निर्धन व गरीब वर्ग के कल्याण के लिए सराहनीय कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के पिछले 6 वर्ष के शानदार कार्यकाल में सभी लाभकारी योजनाओं के केंद्र में गाँव, गरीब किसान ही प्रमुख रूप से रहे है। श्री रावत ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना, गांव गांव विद्युतीकरण, किसानों के कल्याण के लिए फसल बीमा योजना, गरीब व अनुसूचित वर्ग की महिलाओं को धुवे से छुटकारा दिलाने के लिए उज्वला गैस योजना के तहत मुफ्त गैस कनेक्शन मोदी सरकार द्वारा दिये गए। आयुष्मान योजना द्वारा 5 लाख तक निरूशुल्क इलाज की सुविधा देकर मोदी सरकार ने वंचितों वर्ग व गरीबों को जीवनदान दिलाया है।

विशेष प्रवर्तन अभियान चलेगा

रायबरेली -जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव ने आबकारी आयुक्त के निर्देशों के क्रम में 15 जनवरी 2021 तक विशेष प्रवर्तन अभियान चलाकर अवैध मद्य निष्कर्षण/अवैध मदिरा के निर्माण एवं बिक्री के अड्डों को समाप्त करने हेतु समस्त तहसीलवार 6 टीमो का गठन किया गया है। आबकारी, पुलिस एवं प्रशासन की संयुक्त टीम बनाकर प्रभावी प्रवर्तन कार्य किया जाना है। जिसमें समस्त तहसीलों के उपजिलाधिकारी, पुलिस उपधीक्षक एवं आबकारी निरीक्षक नियुक्त किये गये है। जिलाधिकारी ने निर्देश दिये है कि आबकारी अधिकारी अभियान में सहयोग करते हुए प्रभारी तरीके से प्रवर्तन का कार्य करायेंगे।

विवेकानंद जयंती आज, सपा विधानसभावार करेगी घेरा कार्यक्रम

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय पर समाजवादी लोहिया वाहिनी, युवजन सभा, मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड एवं पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ की मासिक बैठकें सम्पन्न हुईं। बैठकों की अध्यक्षता फ्रटल संगठनों के जिला अध्यक्षों द्वारा की गयीं एवं संचालन सभी प्रकोष्ठें के जिला महासचिव द्वारा किया गया। सभी बैठकों में जिला अध्यक्ष जयसिंह 'जयन्त' एवं जिला महासचिव शब्बीर अहमद खान उपस्थित रहे। प्रकोष्ठ की बैठकों को सम्बोधित करते हुए जिलाध्यक्ष जयसिंह 'जयन्त' ने 12 को स्वामी विवेकानन्द की जयंती पर ''युवा घेरा'' कार्यक्रम का आयोजन विधानसभा क्षेत्रों में किया जायेगा, जिसमें अधिक से अधिक युवाओं एंव छात्रों को एकत्रित कर कार्यक्रम को सफल बनाने का निर्देश दिया। ''युवा घेरा'' कार्यक्रम में बढ़ती बेरोजगारी, नौजवानों के लिए घटते रोजगार के अवसर, महंगी षिक्षा, आनलाइन षिक्षा की दिक्कतें, छात्रसंघ के चुनावों पर रोक, छात्रों पर फर्जी आपराधिक मुकदमों के साथ बदहाल कानून व्यवस्था एवं शिक्षाक्षा क्षेत्र में राजनीतिक हस्तक्षेप पर चर्चा कर वर्तमान सरकार की जनविरोधी नीतियों को सभी के सामने उजागर करना है। बैठकों में वरिष्ठ नेता नागेन्द्र सिंह, मनोज यादव, युवजन सभा जिलाध्यक्ष अखिलेष सक्सेना, मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड जिलाध्यक्ष सालिम, लोहिया वाहिनी जिलाध्यक्ष शषिलेन्द्र यादव, पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष मनोज कुमार पाल, समाजवादी पार्टी के मीडिया प्रभारी रमेश सिंह 'रवि', युवजन सभा जिला महासचिव गोविन्द यादव, मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड जिला महासचिव मनोज कुमार यादव, लोहिया वाहिनी जिला महासचिव उस्मान खान, शिवम 'गोलू', मानू खान, विनय रावत, आकाष रावत, मतीन सिद्दीकी, आशुतोष सिंह उर्फबाबी, सुजीत यादव के साथ प्रकोष्ठें के अन्य पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

बस की टक्कर से वृद्ध की मौत

लालगंज रायबरेली-सरकारी बस की ठेकर लगने से धन्नीपुर गांव निवासी तेजभान सिंह (70) पुत्र राजेस्वर सिंह की दर्दनाक मौत हो गयी है।पुलिस ने शव को कब्जे मे लेकर पीएम के लिये भेजा है। जानकारी के अनुसार तेजभान सिंह सुबह गांव से खेतों की ओर जा रहे थे जैसे ही वे सरेनी लालगंज मार्ग पहुंचे और सडक पार करने लगे तभी रायबरेली डिपो की बस नम्बर यूपी 33 टी 6676 ने ठोकर मार दी जिससे वो गम्भीर रूप घायल होकर गिर पडे। परिजन एवं गांववालों के द्वारा उन्हे लालगंज अस्पताल पहुंचाया जहां गम्भीर हालत मे जिला अस्पताल रेफर कर दिया जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गयी।बस को पुलिस ने अपने कब्जे मे ले लिया।

छह ब्लाकों में लगा कृषि मेला, किसानों को बताईं सरकार की ये योजनाएं

आगरा, संवाददाता। किसान कल्याण मिशन के तहत छह ब्लाकों में किसानों को फसलों को उन्नत बनाने और आय को बढ़ाने के बारे में समझाया गया। कृषि विशेषज्ञों ने उन्हें नई तकनीकों से रूबरू कराया तो जनप्रतिनिधियों ने सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों के बारे में बताया। इस अवसर पर विभिन्न योजनाओं की जानकारी देने के लिए स्टाल भी लगाए गए।

कृषि मेला एवं कृषि प्रदर्शनी बुधवार को बिचपुरी, एत्मादपुर, फतेहपुर सीकरी, सैंया, बाह, शमसाबाद में आयोजित किए गए। एत्मादपुर में सांसद प्रो. एसपी सिंह बघेल ने कहा कि रासायन के हो रहे प्रयोग से भूमि की क्षमता में गिरावट आ रही है। जैविक माध्यम अपनाकर किसान बेहतर उत्पादन ले सकते हैं और अपनी आय को दोगुना कर सकते हैं। उन्होंने विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी किसानों को दी। फतेहपुर सीकरी में राज्यमंत्री चौधरी उदयभान सिंह ने नए कृषि कानूनों के बारे में समझाया। उन्होंने किसानों को बताया कि कांट्रेक्ट फार्मिंग में जमीन पर मालिकाना हक किसान का ही रहेगा। विपक्ष किसानों को गुमराह कर रहा है। बाह में विधायक पक्षालिका सिंह ने किसानों को बताया कि मृदा को संतुलित उर्वरक देना चाहिए, जिससे खर्च भी घटेगा। शमसाबाद में विधायक जितेंद्र वर्मा ने किसानों को सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के बारे में बताया। जिला कृषि अधिकारी डा. रामप्रवेश ने मृदा परीक्षण के फायदे, पीएम फसल बीमा योजना, पीएम किसान सम्मान निधि के बारे में बताया। उन्होंने किसानों को टपक सिंचाई तकनीक का प्रयोग कर कम पानी में बेहतर फसल उत्पादन के बारे में बताया। साथ ही कहा कि कोहरे के कारण आलू में झुलसा रोग की आशंका रहती है। किसान निरंतर खेतों पर नजर रखें। रोग के लक्षण दिखने पर फफूंदनाशक का छिड़काव करें। कार्यक्रम स्थल पर विभागों द्वारा विभिन्न योजनाओं की जानकारी देने के लिए स्टाल लगाए गए।

प्रोक्टोरियल बोर्ड की चेतावनी के बाद हटीं कैनोपी

आगरा, संवाददाता। डा. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के प्रोक्टोरियल बोर्ड से मिली चेतावनी के बाद बुधवार को विश्वविद्यालय परिसर के बाहर लगी कैनोपी हटा दी गई हैं। प्रोक्टोरियल बोर्ड का कहना है कि भविष्य में भी विश्वविद्यालय परिसर के बाहर कैनोपी नहीं लगने दी जाएंगी।

विश्वविद्यालय ने छात्रों की मदद के लिए हेल्प डेस्क और आनलाइन विभाग की व्यवस्था की है। इसके बाद भी कुछ छात्र नेताओं की शह पर कैनोपी लगी हुई थीं। इन कैनोपी पर कंप्यूटर या लैपटाप रखकर बैठे संचालक छात्रों की आनलाइन फीस जमा करने से लेकर उनकी डिग्री या अंकतालिका बनवाने तक का ठेका लेते थे।

प्रोक्टोरियल बोर्ड के सदस्यों ने विगत मंगलवार को तीन कैनोपी संचालकों को चेतावनी दी। कैनोपी नहीं हटाने पर विधिक कार्यवाही का नोटिस दिया। इस चेतावनी के बाद बुधवार को कैनोपी हट गई। चीफ प्रोक्टर प्रो. मनोज श्रीवास्तव का कहना है कि कैनोपी संचालकों को किसकी शह मिल रही है, इसकी जांच की जा रही है। भविष्य में अगर कैनोपी लगती हैं तो विधिक कार्यवाही की जाएगी। इस तरह की गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। डा. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय ने प्री पीएचडी 2018-19 कोर्सवर्क के शोध आवेदन पत्र जमा करने की तिथि को बढ़ाकर 31 जनवरी कर दिया है। पहले इसकी तिथि 15 जनवरी थी, लेकिन अब तक 470 में से 250 सिनोप्सिस ही पहुंची हैं।

किसानों ने जलाई कृषि कानूनों की प्रतियां

मथुरा-कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों को प्रदर्शन जारी है। बुधवार को किसानों ने रैली निकाली और कृषि कानूनों की प्रतियां जलाईं। सरकार के खिलाफ नारेबाजी भी की। गोवर्धन में राधाकुंड स्थित सुरभि गोशाला से करीब चार दर्जन ट्रैक्टर पर बैठे सैकड़ों किसानों ने कृषि बिल के विरोध में रैली निकाली। बाइपास के मुखराई मोड़ से ट्रैक्टर का काफिला राधाकुंड की तरफ मुड़ने लगा, तो थाना प्रभारी प्रदीप चौधरी ने रोकने का प्रयास किया। इस पर भाकियू (टिकैत) के जिलाध्यक्ष राजकुमार तोमर ने ट्रैक्टर की स्टेयरिंग थामी और राधाकुंड की तरफ काफिला मोड़ दिया। राधाकुंड से जैसे ही परिक्रमा मार्ग में प्रवेश करने लगे तो एसडीएम राहुल यादव, सीओ रविकांत पाराशर ने परिक्रमा में प्रवेश करने से रोकने का प्रयास किया, लेकिन किसान नहीं माने और परिक्रमा मार्ग में प्रवेश कर गए। इसके बाद गोवर्धन बस स्टैंड पर प्रशासन ने रैली रोक दी और गोवर्धन में प्रवेश नहीं करने दिया। जिलाध्यक्ष राज कुमार तोमर ने किसानों के साथ मिलकर कृषि सुधार कानून की छाया प्रति जला दी और जमकर नारेबाजी की। उदयवीर सरपंच, लेखराज पहलवान, ब्रजेश पहलवान, गोविदा, जितेंद्र पहलवान, मुकेश प्रधान, मोनू पंडित,राजकुमार चाहर, राजेंद्र यादव मौजूद रहे। भाकियू के तहसील मांट अध्यक्ष रोहिताश चौधरी के नेतृत्व में बुधवार को गांव हसनपुर समेत कई गांवों में रैली निकाल कर केंद्र सरकार के तीनों कृषि कानूनों के काले कानूनों की प्रतियों को आग के हवाले कर विरोध व्यक्त किया गया। ओमप्रकाश सिंह, राजवीर सिंह, शिवा चौधरी, अजीत सिंह मास्टर, चुनमुन चौधरी, धनपाल सिंह समेत भाकियू कार्यकर्ता मौजूद थे। हसनपुर गांव में बेसहारा घूम रहे गोवंश की समस्या को लेकर किसानों की पंचायत हुई। गोवंश की समस्या का समाधान न होने पर रोष व्यक्त करते हुए गोवंश ब्लाक परिसर में बांधने का फैसला लिया गया।

जांबाज जितेंद्र की वीरता पर बाह में उमड़ा जनसैलाब

आगरा, संवाददाता। बाह तहसील जांबाज जवानों की धरती हैं। यहां के नौजवानों ने सेना में भर्ती होकर देश की रक्षा करते हुए बाह का मान बढ़ाया हैं। घायल होने के बाद भी चार आतंकियों को मौत के घाट उतारे वाले सेना के जवान का बाह पहुंचने पर जोशीला स्वागत करने के लिए जनसैलाब उमड़ पड़ा हैं।

बाह के मलियाखेड़ा गांव निवासी जितेंद्र सिंह सेना में पैरा कमांडो है। इस समय उसकी तैनाती जम्मू-कश्मीर के सोफियां स्थित पाकिस्तान बार्डर पर तैनात हैं। बीते माह 25 दिसंबर को गश्त के दौरान गांव में आतंकी छिपे होने की सूचना पर मौके पर पहुंच गए। वहां उनका आमना-सामना आतंकवादियों से हो गया। मुठभेड़ में उन्होंने चार आतंकवादियों को मार गिराया। इस मुठभेड़ में वे खुद भी घायल हो गया था। इलाज के बाद बुधवार को जब वह घर पहुंचे तो रास्ते में जगह-जगह ग्रामीणों ने उनकी बहादुरी पर जोशीला स्वागत किया। बाह कस्बे में पूर्व नगर पालिका चेयरमैन दिवाकर सिंह गुर्जर के आवास पर हुए स्वागत समारोह में जनसैलाब उमड़ पड़ा। स्वागत करने वालों में दिवाकर सिंह गुर्जर, राकेश धनगर, विनय यादव, पप्पू अंसारी, सिराजुद्दीन अंसारी, विश्नू यादव, राजकुमार फौजी, सलीम, रामप्रकाश गुर्जर, याकूब राइन, धर्मवीर गुर्जर, विजय गुर्जर, राजू यादव, संतोष बरुआ , सोनू यादव, सुरेश यादव, बंगाली सविता, राजेश बघेल, समेत हजारों की संख्या में लोग मौजूद रहे हैं। जांबाज को बिठाया सर आंखों पर सूर सरोवर पक्षी विहार में फ्लेमिंगो का दल।

आगरा से घर मलियाखेड़ा जाने के रास्ते में जांबाज का अरनौटा, स्याहीपुरा , भदरौली, जरार, बाह कस्बा में जगह-जगह स्वागत किया गया। जब वे घर पहुंचे तो वहां भी स्वागत करने वालों का ताता लगा रहा।

सर्राफ पर जानलेवा हमला कर लूट की कोशिश का पर्दाफाश

संवाददाता, मथुरा-बीएसए-राधिका विहार कालोनी मार्ग पर सर्राफ के ऊपर जानलेवा हमला कर लूट के प्रयास की घटना का बुधवार को पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया। पुलिस ने मंडी समिति चौराहे से दो बदमाश गिरफ्तार किए हैं। आरोपितों से एक मोटरसाइकिल, दो तमंचा और बीस कारतूस बरामद किए हैं। दोनों आरोपित इससे पहले कमीशन पर युवाओं को विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश दिलाने का काम करते थे।

शहर कोतवाली क्षेत्र की प्रोफेसर कालोनी निवासी सर्राफ मोहन लाल सोनी 27 दिसंबर 2020 शाम को आनंदपुरी कालोनी स्थित सराफा की दुकान बंद कर मोटरसाइकिल से घर जा रहे थे। मोटरसाइकिल पर सवार दो बदमाशों ने सर्राफ को उनके घर की गली के नुक्कड़ पर घेरकर सोने, चांदी और नकदी से भरे थैले को छीनने का प्रयास था। विरोध करने पर बदमाशों ने उन्हें गोलीमार कर घायल कर दिया था। एसपी सिटी एमपी सिंह ने पत्रकारों को बताया, थाना मगोर्रा क्षेत्र के गांव नौधरा निवासी मोनू और नौहझील थाना क्षेत्र के गांव बाघरी निवासी उमेश को मंडी समिति चौराहे से गिरफ्तार किया। दोनों ने लूट का प्रयास किया था। पूछताछ में आरोपितों ने पुलिस को बताया, 24 दिसंबर 2020 को पीड़ित के मकान से करीब ढाई सौ मीटर दूरी पर किराये का कमरा लिया था। दो दिन तक सर्राफ की रेकी की। इसके बाद ही वारदात की थी, लेकिन लूट में असफल हो गए थे। एसपी सिटी ने बताया, आरोपित मोनू शांति भंग और उमेश पुलिस पर हमला करने के मामले पहले जेल जा चुके थे। पूछताछ में यह भी तथ्य सामने आया है, दोनों आरोपित युवाओं को कालेजों में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में कमीशन लेकर प्रवेश दिलाने का काम करते थे। लूट का प्रयास आरोपितों ने पहली बार किया। आरोपितों से दो तमंचा, बीस जिंदा कारतूस और एक मोटरसाइकिल भी बरामद की गई है। सीओ सिटी वरुण कुमार और शहर कोतवाल सूरज प्रकाश शर्मा भी मौजूद रहे। मोनू ने मारी थी गोली -मोटरसाइकिल मोनू चला रहा था और उसके पीछे उमेश बैठा था। दोनों ने सर्राफ को गली में गिरा लिया और उसके थैला छीनने का प्रयास किया। जब वह थैला छीनने में असफल हो गए, तो मोनू ने सर्राफ को गोली मार दी। फायरिंग होते ही आसपास के इलाके में भगदड़ मच गई थी। भीड़ से बचकर भागने ने के लिए आरोपितों ने छह राउंड गोलियां चलाईं थीं।

सम्पादकीय

बेहतर हो स्वास्थ्य सेवा

कुछ दिन पहले एक संसदीय समिति ने रेखांकित किया था कि अगर कोरोना वायरस के संक्रमण के उपचार के लिए निजी अस्पतालों ने अपने दरवाजे पहले खोल देते और उपचार के एवज में बड़ी रकम की मांग नहीं रखते, तो कई लोगों को मरने से बचाया जा सकता था. उल्लेखनीय है कि महामारी के शुरुआती दिनों में सस्ते जांच और उपचार मुहैया करने के लिए अदालतों तक को दखल देना पड़ा था. इस महामारी ने यह भी इंगित किया है कि न केवल शहरों में, बल्कि ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में स्वास्थ्य केंद्रों और चिकित्साकर्मियों की समुचित उपलब्धता सुनिश्चित कराना जरूरी है. संक्रमित लोगों की बड़ी संख्या को देखते हुए अस्थायी केंद्र बनाने की मजबूरी तो थी ही, स्वास्थ्यकर्मियों को दिन-रात काम भी करना पड़ा था. लगभग सौ साल के बाद देश और दुनिया ने ऐसी महामारी का सामना किया है, लेकिन यह भी सच है कि कई अन्य देशों की तरह हमारे देश के विभिन्न इलाकों में अक्सर जानलेवा बीमारियों का कहर टूटता रहता है. संक्रमित और दूषित पानी से भी बड़ी तादाद में मौतें होती हैं. ऐसे रोगों को सामान्य चिकित्सा और मामूली दवाओं के जरिये ठीक किया जा सकता है. प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र न होने और निजी अस्पतालों में महंगे इलाज की वजह से कई लोग साधारण बीमारी को अनदेखा कर देते हैं, जो बाद में गंभीर रूप धारण कर लेती है. भारत उन देशों में शामिल है, जो स्वास्थ्य के मद में बहुत कम सरकारी खर्च करते हैं. हमारे देश में यह आंकड़ा सकल घरेलू उत्पादन का सवा से डेढ़ फीसदी के बीच है. ऐसे में निजी अस्पतालों और क्लिनिकों को कमाई का बड़ा मौका मिल गया है. इलाज के खर्च और गुणवत्ता को लेकर निगरानी की कोई ठोस व्यवस्था भी नहीं है. अनेक रिपोर्टों में बताया गया है कि हमारे देश में हजारों परिवार गंभीर बीमारियों के भारी खर्च की वजह से हर साल गरीबी की चपेट में आ जाते हैं. सरकार ने बीमा योजनाओं और कल्याणकारी कार्यक्रमों के जरिये स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाने की दिशा में अहम कदम उठाये हैं. आगामी सालों में सार्वजनिक खर्च में बढ़ोतरी करने और हर जिले में मेडिकल कॉलेज खोलने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है.

विभिन्न राज्य सरकारें भी अपने स्तर पर प्रयासरत हैं. इसमें कोई दो राय नहीं है कि चिकित्सा में निजी क्षेत्र की बड़ी भागीदारी जरूरी है, किंतु सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं और संसाधनों में बढ़ोतरी भी नीतिगत प्राथमिकता होनी चाहिए. इस महामारी के कारण अन्य कई गंभीर बीमारियों से ग्रस्त लोगों को नियमित इलाज मिलने में बाधा आयी है. तपेदिक, कैंसर, मधुमेह आदि रोग भी बड़ी संख्या में मौतों का कारण बन रहे हैं. इस स्थिति के सबसे बड़े भुक्तभोगी गरीब और वंचित हैं. भारत को स्वस्थ और समृद्ध देश बनाने के लिए हमें अपनी स्वास्थ्य सेवा को बेहतर बनाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए.

अवांछित अमेरिकी राष्ट्रपति

राष्ट्रपति चुनाव नतीजों के अनुमोदन के समय अमेरिकी संसद की कार्यवाही जिस तरह ट्रंप समर्थकों की अराजकता का शिकार हुई, उससे अमेरिका की सारी दुनिया में फजीहत तो हुई ही, उसका यह दावा भी कमजोर हुआ कि वह सबसे मजबूत लोकतंत्र है। अमेरिकी संसद के बाहर और अंदर जो अकल्पनीय हिंसा हुई और जिसमें एक सुरक्षा कर्मी समेत पांच लोग मारे गए और कई घायल हुए, उसके लिए राष्ट्रपति ट्रंप ही जिम्मेदार हैं, क्योंकि यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि उन्होंने अपने समर्थकों को चुनाव नतीजे स्वीकार न करने और उसका विरोध करने के लिए उकसाया। उनके इसी रवैये के कारण फेसबुक, ट्विटर आदि ने उनके खातों पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी। उनका आचरण किस तरह राष्ट्रपति की गरिमा के प्रतिकूल रहा, यह उनके सहयोगियों के त्यागपत्र देने और कई रिपब्लिकन नेताओं की ओर से उनकी खुली आलोचना करने से स्पष्ट हो जाता है। हालांकि पिछले वर्ष नवंबर में चुनाव परिणाम सामने आने के बाद से ही ट्रंप चुनाव प्रक्रिया में धांधली का आरोप लगाकर नतीजों को अस्वीकार कर रहे थे, लेकिन इसकी उम्मीद किसी को नहीं थी कि वह सत्ता के शांतिपूर्ण हस्तांतरण में इस तरह बाधा खड़ी करेंगे और उपराष्ट्रपति पर दबाव बनाने के साथ अपने समर्थकों को इतने खुले तरीके से उकसाएंगे।

अमेरिकी संसद में हिंसा के बाद ट्रंप भले ही शांतिपूर्ण तरीके से सत्ता हस्तांतरण के लिए तैयार हो गए हों, लेकिन उनकी जैसी निंदा हुई, उसकी मिसाल मिलना मुश्किल है। अपनी इस निंदा के लिए वही जिम्मेदार हैं। यह साफहै कि ट्रंप हाल के इतिहास के सबसे लांछित और साथ ही अवांछित राष्ट्रपति के रूप में जाने जाएंगे। वह राष्ट्रपति बनने के पहले ही विवादों से घिर गए थे। माना यह जा रहा था कि वह अपनी अप्रत्याशित जीत के बाद अपने रवैये में सुधार करेंगे और राष्ट्रपति की गरिमा के अनुरूप आचरण करेंगे, लेकिन उन्होंने ऐसा करने से इन्कार किया। वह अपने पूरे कार्यकाल में एक के बाद एक विवादित फैसले करते रहे। उनके तमाम फैसले ऐसे रहे, जिनसे राष्ट्रपति के रूप में उनकी प्रतिष्ठा तो गिरी ही, वैश्विक स्तर पर अमेरिका की छवि पर भी विपरीत असर पड़ा। उन्होंने पेरिस जलवायु संधि को ठुकराने के साथ ही यह कहना भी शुरू कर दिया कि ग्लोबल वाघ्मग जैसी कोई समस्या ही नहीं। सच की अनदेखी करने का उनका यह रवैया कोरोना वायरस के संक्रमण के समय भी दिखा। प्रारंभ में उन्होंने कोरोना वायरस जनित कोविड-19 को कोई गंभीर बीमारी मानने से ही इन्कार कर दिया। इसके चलते अमेरिका को कहीं अधिक नुकसान उठाना पड़ा।

सोशल मीडिया कंपनियों की दखल

डॉ अश्विनी महाजन

कुछ समय पूर्व यह विषय प्रकाश में आया कि कैम्ब्रिज एनालिटिका नाम की एक डेटा कंपनी ने 8.7 करोड़ लोगों के फेसबुक डाटा के आधार पर अमरीका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चुनाव अभियान में काम किया और ट्रंप की विजय में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका रही. फेसबुक कंपनी द्वारा अपने डेटा बेचने के कई साक्ष्य मिलते हैं और फेसबुक के मालिक मार्क जुकेरबर्ग ने इस संबंध में माफी भी मांगी थी, लेकिन भविष्य में इस प्रकार के कृत्य की पुनरावृति नहीं होगी, इसकी कोई गारंटी नहीं है. वर्ष 2018 में यह बात सामने आयी कि इसी कैम्ब्रिज एनालिटिका कंपनी ने भारत की कांग्रेस पार्टी के लिए फेसबुक और ट्विटर के डेटा का उपयोग कर 2019 के चुनावों के लिए मतदाताओं के रूझान को बदलने के लिए कार्य करने का प्रस्ताव रखा. कंपनी की बेवसाइट पर यह दावा भी किया गया था कि 2010 के बिहार चुनाव में उसने विजयी दल के लिए काम किया था. राजनीतिक दलों के लिए चुनावी दृष्टि से सोशल मीडिया कंपनियों के डेटा का दुरुपयोग एक सामान्य बात मानी जाने लगी है. लेकिन हालिया अमरीकी राष्ट्रपति चुनाव में इन सोशल मीडिया कंपनियों का दखल और अधिक सामने आया. राष्ट्रपति ट्रंप की लगभग सभी ट्वीटों पर ट्विटर की टिप्पणी आ रही थी. इससे स्वाभाविक तौर पर ट्रंप के बयानों को संदेहास्पद बनाने में इस कंपनी की खासी भूमिका रही. हाल ही में अमरीका में हुए हिंसक प्रदर्शनों के बाद ट्रंप का ट्विटर एकाउंट सस्पेंड करने के कारण ट्विटर कंपनी बड़े विवाद का केंद्र बन गयी है. इसमें कोई दो राय नहीं कि इन सोशल मीडिया कंपनियों के पास इन प्लेटफार्मों को इस्तेमाल करने वाले ग्राहकों की निजी जानकारियां काफी बड़ी मात्रा में होती हैं. ये कंपनियां उनके सामाजिक रिश्तों, जात-बिरादरी, आर्थिक स्थिति, उनकी आवाजाही, उनकी खरीदारियों समेत तमाम प्रकार के डेटा पर अधिकार रखती हैं और इसका उपयोग वे राजनीतिक दलों के हितसाधन में भी कर सकती हैं. ऐसे में वे प्रजातंत्र को गलत तरीके से प्रभावित कर सकती हैं. हालांकि यदि सोशल मीडिया का उपयोग ईमानदारी से हो, तो उसमें कोई बुराई नहीं है, लेकिन यदि ये कंपनियां राजनीति को प्रभावित करने का व्यवसाय करने लगे, तो दुनिया में लोकतंत्र और लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं ही नहीं, बल्कि सामाजिक तानाबाना भी खतरे में पड़ जायेगा. हालांकि ट्विटर द्वारा राष्ट्रपति ट्रंप के अकांउट को सस्पेंड करने के पीछे यह तर्क दिया जा रहा है कि उनके बयान अमरीका में शांतिपूर्वक सत्ता हस्तांतरण के लिए खतरा हैं, लेकिन कुछ समय पूर्व फ्रांस में एक समूह द्वारा हिंसक गतिविधियों को औचित्यपूर्ण ठहराने वाली मलेशियाई प्रधानमंत्री मोहातिर मोहम्मद की ट्वीट के बावजूद उनके ट्विटर अकाउंट को सस्पेंड न किया जाना दुनिया में लोगों को काफी अखर रहा है. गौरतलब है कि अकेले भारत में ही फेसबुक के 33.6 करोड़ से ज्यादा अकाउंट हैं, जबकि इस कंपनी द्वारा चलायी जा रही मैसेजिंग, वायस एवं वीडियो कॉल एप के 40 करोड़ से ज्यादा ग्राहक हैं. इसी प्रकार फेसबुक इंस्टाग्राम एप का भी मालिक है. इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि भारत की एक बड़ी जनसंख्या का निजी, आर्थिक एवं सामाजिक डेटा इस कंपनी के पास है. भारत में ट्विटर के लगभग सात करोड़ और दुनिया में 33 करोड़ एकाउंट हैं. फेसबुक, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम, ट्विटर, लिंकेडिन आदि हालांकि मुफ्त में सेवाएं देते हैं, लेकिन अपने डेटाबेस का उपयोग वे अपनी आमदनी बढ़ाने के लिए करते हैं. सर्च इंजन चलाने वाली गूगल कंपनी भी अनेकों बार अपने लॉगरिदम का गलत इस्तेमाल करने की दोषी पायी गयी है. आज भारत में विज्ञापन की दृष्टि से गूगल और फेसबुक सर्वाधिक आमदनी कमाने वाली कंपनियां बन चुकी हैं. ये कंपनियां उपभोक्ताओं को संतुष्टि भी प्रदान कर रही हैं, जिसके कारण उनकी लोकप्रियता बढ़ती जा रही है. लेकिन बढ़ती लोकप्रियता और किसी भी प्रकार के अंकुश के अभाव में इन कंपनियों से समाज के तानेबाने को बिगाड़ने और लाभ के लिए कार्य करते हुए प्रजातंत्र को प्रभावित करने की केवल आशंकाएं ही नहीं, बल्कि वास्तविक खतरे भी बढ़ते जा रहे हैं. इन कंपनियों के कार्यकलापों और लॉगरिदम में पारदर्शिता का पूर्ण अभाव है. यह बात भी स्पष्ट है कि ये कंपनियां लाभ के उद्देश्य से काम करती हैं और अपने शेयर होल्डरों के लिए अधिकतम लाभ कमाने की कोशिश में रहती हैं. इसलिए स्वाभाविक तौर पर, चाहे कानून के दायरे में ही रहकर, ये कंपनियां लाभ कमाने के लिए कुछ भी कर सकती हैं. चूंकि सोशल मीडिया हाल ही में आस्तित्व में आया है, इसलिए विभिन्न देशों के कानून उनको नियंत्रित करने में स्वयं को अक्षम महसूस कर रहे हैं. ऐसे में किसी भी कानूनी बाध्यता के अभाव में ये कंपनियां सामाजिक और राजनीतिक तानेबाने और लोकतंत्र की भावनाओं पर चोट कर सकती हैं. हाल ही में एक अत्यंत महत्वपूर्ण मुद्दा ध्यान में आया, जब चीन के कुछ मोबाइल एप अमानवीय एवं असमाजिक कृत्यों में संलग्न थे, तो भी उन्हें प्रतिबंधित करने में सरकार को कानून के अनुसार निर्णय लेने में लंबा समय लगा, लेकिन फेसबुक, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम, ट्विटर इत्यादि पर अंकुश लगाना आसान नहीं होगा. इन कंपनियों के संभावित खतरों के मद्देनजर चीन ने प्रारंभ से ही इन्हें अपने देश में प्रतिबंधित किया हुआ है और इनके मुकाबले में चीनी एप विकसित किये गये हैं. फेसबुक, व्हाट्सएप, ट्विटर इत्यादि के उनके अपने ही विकल्प हैं. भारत भी ऐसा प्रयास कर सकता है कि चाहे इन एप को जारी भी रखा जाए, लेकिन साथ ही उनके विकल्प भी उपलब्ध हों. बड़ी संख्या में चीनी एप को प्रतिबंधित करने के बाद देश में भारत के ही स्टार्टअप्स द्वारा अनेकों प्रकार के एप विकसित किये भी गये हैं. इसी प्रकार सरकार डेटा के दुरुपयोग को रोकने के लिए डाटा संप्रभुता हेतु कानून बनाकर इन कंपनियों को पारदर्शी तरीके से अपने डेटा को भारत में ही रखने के लिए बाध्य कर सकती है. इन कंपनियों द्वारा डाटा माइनिंग को हतोत्साहित करते हुए भी लोगों के निजी डेटा के दुरुपयोग को कम किया जा सकता है. प्रौद्योगिकी विकास के इस युग में उपभोक्ता संतुष्टि के साथ लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं को सुरक्षित रखना और सामाजिक तानेबाने को नष्ट करने के प्रयासों को रोकना सरकार की जिम्मेदारी है और सरकारें प्रभावी नियंत्रण हेतु कानून बनाने के दायित्व से विमुख नहीं रह सकतीं।

कब तक भरेंगे सीआईसी का पद

लखनऊ। एक्टिविस्ट डॉ नूतन ठाकुर द्वारा उत्तर प्रदेश सूचना आयोग में मुख्य सूचना आयुक्त के रिक्त पद को भरे जाने के संबंध में दायर याचिका में इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच को सरकार से पूछा है कि वे कब तक इस रिक्ति को भरेंगे। अपर मुख्य स्थायी अधिवक्ता एच पी श्रीवास्तव ने कहा कि मुख्य सूचना आयुक्त के लिए 3 नवम्बर 2020 को नया विज्ञापन किया गया है. इस पर जस्टिस आलोक सिंह तथा जस्टिस करुणेश सिंह पवार की बेंच ने उन्हें दो सप्ताह का समय देते हुए कहा कि वे हलफ़नामा दे कर बताएं कि यह नियुक्ति कितने दिनों में पूरी कर ली जाएगी. कोर्ट ने दो सप्ताह बाद मुकदमे की सुनवाई के आदेश दिए। नूतन ने राज्य सरकार को सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए निर्देशों का पूर्ण पालन करते हुए यथाशीघ्र मुख्य सूचना आयुक्त की रिक्ति भरने के निर्देश देने की प्रार्थना की है।

लखनऊ-प्रयागराज समेत कई ट्रेनों का संचालन शुरू

लखनऊ। रेलवे प्रशासन ने हरिद्वार कुंभ को देखते हुए लखनऊ-प्रयागराज समेत कई ट्रेनों को सोमवार से बहाल कर दिया। कोरोना के कारण रद्द चल रही लखनऊ प्रयागराज जनता एक्सप्रेस रोजाना चलेगी। प्रयागराज संगम-हरिद्वार एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन के संचालन की भी मंजूरी दे दी गई है। इस बार कई ट्रेनें लखनऊ से होते हुए ऋषिकेश तक जाएंगी। ऋषिकेश जाने वाले यात्रियों को हरिद्वार के आगे सड़क मार्ग से नहीं जाना पड़ेगा। परिचालन अधिकारियों के मुताबिक ट्रेन 04209 प्रयागराज से रोजाना दोपहर 3.30 बजे चलेगी जो कुंडा, ऊंचाहार, रायबरेली, बछरावां और निगोहां होते हुए लखनऊ शाम 7रू30 बजे पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन 04210 लखनऊ से सुबह 7.30 बजे रवाना होकर दोपहर 12 बजे प्रयागराज पहुंचेगी।

बीकेटी रेलवे स्टेशन पर कर्षण उप केंद्र का उद्घाटन

लखनऊ। आज मैलानी रेल विद्युतीकरण परियोजना के अंतर्गत बक्शी का तालाब स्टेशन स्तिथ 132625 के.वी कर्षण उप केंद्र का उद्घाटन ए के शुक्ला,प्रमुख मुख्य विद्युत इंजीनियर, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर ने धर्मेन्द्र यादव, वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर टीआरडी जगन्नाथ मिश्रा, प्रबंधक रेल विकास निगम, लखनऊ की उपस्थित में किया। डॉलीगंज-मैलानी रेल खंड का रेल विद्युतीकरण कार्य रेल विकास निगम लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है, जिसमे वर्तमान में डॉलीगंज से लखीमपुर तक का रेल विद्युतीकरण कार्य पूर्णहो चुका है व रेल संरक्षा आयुक्त ने इस रेल खंड पर इलेक्ट्रिक ट्रेनों के संचालन की अनुमति दी जा चुकी है। रेल विकास निगम द्वारा डॉलीगंज-मैलानी रेल विद्युतीकरण खण्ड पर बक्शी का तालाब, खैराबाद, प्रधान रेलवे स्टेशनों के समीप 132/25 केवी का कर्षण उपकेंद्र बनाया जा रहा है

अब शिक्षा से वंचित नहीं रहेगा अनुसूचित वर्ग का कोई छात्रः रमापति

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी लखनऊ महानगर कार्यालय में पत्रकारों से वार्ता करते हुये प्रदेश के समाज कल्याण मंत्री रमापतिराम शास्त्री ने कहा कि केन्द्रीय मंत्रिमण्डल ने पहले पांच वर्षों में पांच करोड़ से अधिक अनुसूचित जाति के छात्रों को लाभ पहुंचाने के लिये अनुसूचित जाति से संबंधित छात्रों के लिये मैट्रिकोत्तर छात्रवृत्ति की केन्द्र प्रायोजित स्कीम बड़े और रूपान्तरात्मक परिवर्तनों के साथ अनुमोदित की है ताकि वे अपने उच्चतर शिक्षा को पूरा कर सकें। मंत्रिमण्डल ने रू. उन्सठ हजार अड़तालिस करोड़ के कुल निवेश को अनुमोदन प्रदान किया है जिसमें से केन्द्र सरकार रु. 35,534.00 करोड़ खर्च करेगी और शेष राशि राज्य सरकारों द्वारा खर्च की जाएगी। यह स्कीम मौजूदा प्रतिबद्ध देयता प्रणाली को प्रतिस्थापित करेगी और इस महत्वपूर्ण स्कीम में केन्द्र सरकार की भागीदारी अधिक होगी।एससी जनसंख्या के शैक्षिक सशक्तिकरण के क्षेत्र में एससी छात्रों के लिये मैट्रिकोत्तर छात्रवृत्ति स्कीम भारत सरकार का सर्वाधिक एकल हस्तक्षेप है। केन्द्र सरकार इन प्रयासों को और अधिक बढ़ाने के लिये प्रतिबद्ध है ताकि 5 वर्ष की अवधि के भीतर जीईआर उच्चतर शिक्षा राष्ट्रीय स्तर तक पहुंच सके। मंत्रिमण्डल ने इस स्कीम के कार्यान्वयन पर अधिक जोर दिया है ताकि समय पर भुगतान किया जा सके, व्यापक जवाबदेही, निरंतर निगरानी और पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सके। इस दिशा में मंत्रिमण्डल ने निम्नलिखित मुख्य संशोधन अनुमोदित किये हैं। गरीब से गरीब परिवारों के 10वीं कक्षा उत्तीर्ण छात्रों को अपनी इच्छानुसार उच्चतर शिक्षा पाठयक्रमों में नामित करने के लिये एक अभियान चलाया जाएगा। अनुमान है कि एक करोड़ छत्तीस लाख ऐसे सबसे गरीब छात्र जो वर्तमान में 10वीं कक्षा के बाद अपनी शिक्षा को जारी नहीं रख सकते हैं, को अगले पांच वर्षों में उच्चतर शिक्षा प्रणाली के अंतर्गत लाया जाएगा। यह स्कीम सुहढ़ सुरक्षा उपयों के साथ ऑनलाइन प्लेटफर्म पर संचालित की जाएगी, जिससे पारदर्शिता, जवाबदेही, कार्य क्षमता तथा बिना विलम्ब के समयबद्ध सहायता सुनिश्चित होगी। राज्य पात्रता, जातिगत स्थिति, आधार पहचान तथा बैंक खाता के ब्योरे के आनलाइन पोर्टल पर अभेद्य जांच करेंगी। इस स्कीम के अंतर्गत छात्रों को वित्तीय सहायता का आहरण डीबीटी मोड के माध्यम से और अधिमान्यता आधार सबल भुगतान प्रणाली को प्रयोग में लाकर किया जायेगा। वर्ष 2021-22 से प्रारंभ करते हुय इस स्कीम में केन्द का अंश 60 प्रतिशत निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार छात्रों के बैंक खातों में डी.बी.टी. मोड के माध्यम में सीधे जारी किया जाएगा। निगरानी तंत्र को और सुदृढ़ किया जाएगा और सोशल ऑडिट, तीसरे पक्ष द्वारा वार्षिक मूल्यांकन कराकर और प्रत्येक संस्थान की अर्ध-वार्षिक स्वतः लेखा परीक्षित रिपोर्टों के माध्यम से किया जाएगा। केन्द्रीय सहायता जो वर्ष 2017-18 से वर्ष 2019-20 के दौरान लगभग ग्यारह सौ करोड़ रू. प्रतिवर्ष थी, उसे वर्ष 2020-21 से 2025-26 के दौरान 5 गुना से अधिक बढ़ाकर लगभग छह हजार करोड़ रूपये प्रतिवर्ष किया जाएगा। राज्य सरकारें बड़ी संख्या में एससी छात्रों को लाभ पहुंचाने के लिए इस कार्यनीति को कार्यान्वित करने में महत्वपूर्ण भागीदार होंगे ।

योगी ने सिविल अस्पताल पहुंच कर ड्राईरन का निरीक्षण किया

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार सुबह लखनऊ सिविल अस्पताल पहुंचकर कोरोना वैक्सीन के ड्राईरन के ट्रायल और वैक्सीनेशन की तहत चल रही तैयारियों का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री योगी सिविल अस्पताल सोमवार सुबह नौ बजकर 44 मिनट पर पहुंचे। करीब छह मिनट यहां रूककर सुविधाएं देखी। उन्होंने रजिस्ट्रेशन हाल, वैक्सीनेशन और परीक्षण कक्ष का निरीक्षण किया। ड्राई रन के ट्रायल में शामिल 15 स्वास्थ्य मौजूद थे। तय समय पर शुरू हुआ। मुख्यमंत्री सिविल अस्पताल में आखिरी ड्राईरन की तैयारियों से संतुष्ट दिखे। निरीक्षण के पश्चात मुख्यमंत्री ने आगामी 16 जनवरी से प्रदेश में प्रारम्भ किए जा रहे कोविड-19 वैक्सीनेशन अभियान के सम्बन्ध में जनपदों की व्यवस्थाओं की लोक भवन में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा की तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में सभी के सहयोग से कोविड-19 के संक्रमण को नियंत्रित करने में जिस प्रकार सफलता मिली है, उसी प्रकार कोरोना वैक्सीनेशन अभियान को पूरी प्रतिबद्धता से संचालित किया जाए। उन्होंने कोरोना वैक्सीनेशन का कार्य प्रत्येक दशा में भारत सरकार की गाइडलाइन्स के अनुरूप संचालित किए जाने के निर्देश दिए हैं। वैक्सीनेशन कार्य को अन्तर्विभागीय समन्वय के माध्यम से किए जाने के निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग वैक्सीनेशन अभियान में नोडल विभाग के रूप में कार्य करेगा। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान मुख्यमंत्री ने जनपद मेरठ, सिद्धार्थनगर, वाराणसी, गोरखपुर तथा लखनऊ के जिलाधिकारियों तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारियों से संवाद स्थापित कर उनके जनपद में वैक्सीन की कोल्ड चेन, स्टोरेज, ट्रांसपोर्टेशन तथा कार्मिकों के प्रशिक्षण, वैक्सीनेशन बूथ की स्थापना आदि कार्यों के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की। एक उच्चस्तरीय बैठक में अनलॉक व्यवस्था की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज संचालित किया जा रहा ड्राई रन, कोविड वैक्सीनेशन अभियान में अत्यन्त उपयोगी सिद्ध होगा। बैठक में अवगत कराया गया कि प्रदेश के 1500 स्थानों पर कोरोना वैक्सीनेशन का ड्राई रन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड-19 के दृष्टिगत प्रत्येक स्तर पर सावधानी बरती जाए। लोगों को कोरोना से बचाव के बारे में निरन्तर जागरूक किया जाए। कोविड चिकित्सालयों की व्यवस्थाओं को सुदृढ़ बनाए रखा जाए। उन्होंने जनपद स्तर पर स्थापित इन्टीग्रेटेड कमाण्ड एण्ड कन्ट्रोल सेन्टर को पूरी सक्रियता से कार्यशील रखने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कोरोना संक्रमण की चेन को तोड़ने में कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग तथा सर्विलांस सिस्टम की उपयोगी भूमिका पर बल देते हुए इन कार्यों को पूरी प्रतिबद्धता से संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कोविड-19 की मेडिकल टेस्टिंग का कार्य पूरी क्षमता से किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी सरकारी तथा निजी अस्पतालों में फायर सेफ्टी के प्रबन्धों का सत्यापन कार्य प्राथमिकता पर सम्पन्न हो। उन्होंने '102' तथा '108' एम्बुलेंस सेवाओं को और बेहतर करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इसके लिए एम्बुलेंस सेवाओं को मण्डल स्तर पर विकेन्द्रित करते हुए इनका सुचारु संचालन सुनिश्चित किया जाए। वहीं के जीएमयू में डीएम ने कोरोना वैक्सीनेशन का फाइनल रिहसर्ल का निरीक्षण किया। वहीं 11 जनवरी को वैक्सीनेशन का फाइनल ड्राइ रन शुरू हुआ। यह ड्राई रन कोरोना वैक्सीन अभियान शुरू करने की तर्ज पर चल रहा है। ऐसे में वैक्सीन के सुरक्षित डिलेवरी व वापसी भी सुनिश्चित की जा रही है। इसके लिए पुलिस की निगरानी में हेल्थ टीम कोल्ड बॉक्स लेकर वाहनों से रवाना हुई। डिस्ट्रिक इम्युनाइजेशन ऑफीसर डॉ. एमके सिंह के मुताबिक सोमवार को 61 अस्पतालों में वैक्सीनेशन शुरू हो गया है। हर साइट पर 15 लाभार्थियों को ट्रायल के लिए बुलाया गया है। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग, पुलिस, प्रशासन, प्राइवेट अस्पतालों के नोडल ऑफीसर, आंगनबाड़ी सुपरवाइजरों ने व्यवस्था पर नजर रखी। हेल्थ वर्कर ने 10 से 12 बजे तक वैक्सीनेशन पूर्वाभ्यास प्रोटोकॉल के अनुसार करेंगे। वहीं डिस्ट्रिक वैक्सीन स्टोर के अलावा 21 कोल्ड चेन प्वाइंट बनाए गए हैं। मुख्य स्टोर से 21 कोल्ड प्वाइंट पर वैक्सीन भेजने का अभ्यास किया गया। इसके बाद 61 अस्पतालों से शेष वैक्सीन भेजने का रिहर्सल किया गया।

हॉलीडे होम प्रोजेक्ट सुषमा एलिमेंटा पेश

लखनऊ। प्रमुख रियल एस्टेट डेवलपर सुषमा ग्रुप ने 13 प्रोजेक्टों के शानदार डिलीवर के रिकॉर्ड को बनाते हुए, अब हिमाचल प्रदेश में अपने उत्कृष्ट रेजिडेंशियल प्रोजेक्ट सुषमा एलिमेंटा को लांच किया है। यह हॉलिडे होम्स प्रोजेक्ट सोलन जिले के हिल स्टेशन कसौली में बनाया जा रहा है जो पहाड़ों पर छुट्टी बिताने की एक बेहतरीन डेस्टिनेशन है। छह एकड़ में फैला हुआ यह प्रोजेक्ट 50 करोड़ रुपये के निवेश के साथ विकसित किया जा रहा है। सुषमा एलिमेंटा का बिल्ट-अप एरिया 3,38,079 वर्ग फुट क्षेत्र होगा जिसमें 8 टॉवर बनाए जायेंगे और इसमें कुल 382 यूनिट्स होंगी। इन यूनिट्स का साइज 630 वर्ग फुट से लेकर 1335 वर्ग फुट तक होगा, जिसमें 1, 2 और 3 बीएचके अपार्टमेंट बनाए जाएंगे। इस प्रोजेक्ट की खासियत है कि समुद्र तल से 6,000 फीट की ऊंचाई पर स्थित है, और इस प्रोजेक्ट के सामने घाटी है और प्रत्येक कमरे से घाटी के सबसे शानदार दृश्य दिखाए देंगे। इसके अलावा प्रोजेक्ट में सभी आधुनिक सुविधाओं को शामिल किया है, जैसे जिम, एक्सपीरियंस सेंटर, लाइब्रेरी, किड्स रूम, मीडिया रूम, स्पा व सोना, गेम्स रूम, नेचर डेक, ग्रैंड एंटेरेस पवेलियन और सनसेट प्लाजा सहित मनोरंजन गतिविधियों से सुसज्जित है। प्रोजेक्ट की चंडीगढ़ एयरपोर्ट और हाईवे के माध्यम से अच्छी कनेक्टिविटी प्रदान करता है। प्रोजेक्ट के बारे में बात करते हुए, सुषमा ग्रुप के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, श्री प्रतीक मित्तल ने कहा, हम हिमाचल प्रदेश में अपने पहले प्रोजेक्ट के लॉन्च पर बहुत खुश हैं।

अमेरिकी राजनीति में भारतीय लोग

सेंट जेवियर पालाथिंगल छह जनवरी को वाशिंगटन में हुई ट्रंप रैली में भारतीय झंडा लहराते हुए दिखे थे. बाद में यह रैली उग्र हो गयी और इसने अमेरिकी कांग्रेस की इमारत पर हमला कर दिया था. विंसेंट ने हमारी मीडिया को बताया है कि त्रिशूर के इंजीनियरिंग कॉलेज से पढ़ाई करने के बाद वे 1992 में अमेरिका चले गये थे. उनका दावा है कि वे वर्जिनिया में रिपब्लिकन पार्टी की स्टेट सेंट्रल कमेटी के सदस्य हैं और वे श्चुनावी धांधलीश् के विरोध में ट्रंप रैली में शामिल हुए थे.उनका कहना है कि पहले वे डेमोक्रेट समर्थक थे और उन्होंने बराक ओबामा को दो बार वोट दिया है. विंसेंट का यह भी दावा है कि कुछ उपद्रवी रैली में घुस आये थे, अन्यथा रैली शांतिपूर्ण थी. उनका आरोप है कि उपद्रवी वामपंथी एंटीफा या ब्लैक लाइव्स मैटर के सदस्य हो सकते हैं. वे पांच ट्रंप रैलियों में शामिल हो चुके हैं, पर हिंसा केवल इसी बार हुई है. ब्लैक लाइव्स मैटर के प्रदर्शनों के दौरान हुई हिंसा के लिए ट्रंप ने हमेशा एंटीफा को दोषी ठहराया था.बहरहाल, अमेरिकी न्याय विभाग कैपिटोल पुलिस के साथ घटनाक्रम की जांच कर रहा है और इसमें कोई संदेह नहीं है कि जांच में विंसेंट के दावों को भी परखा जायेगा. अमेरिकी मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक दुनियाभर में दिखाये गये पुते चेहरे और वाइकिंग सिंगों वाले शख्स की पहचान एरिजोना के जैक एंजेली के रूप में हुई है, जो ट्रंप समर्थक है और धुर दक्षिणपंथी समूह श्क्यूएनॉनश् का सदस्य है.इस लेख का उद्देश्य उस घटना के बारे में बात करना नहीं है, बल्कि अमेरिका में मेरे अपने अनुभवों के आधार पर भारतीय अमेरिकियों की राजनीतिक गतिविधियों तथा एक समुदाय में धार्मिक आधारों पर दो दलों में विभाजन पर उनके असर के बारे में चर्चा करना है. अमेरिका में बसे भारतीय 1920-30 के दौर में तारकनाथ दास, हर दयाल, मुबारक अली खान और जेजे सिंह आदि अनेक लोगों के नेतृत्व में राजनीतिक रूप से सक्रिय थे. उनके प्रयासों से दलीप सिंह सौंद के अमेरिकी कांग्रेस के सदस्य (1957-63) बनने का रास्ता साफहुआ था, जो नब्बे के दशक तक कांग्रेस के एकमात्र भारतीय सदस्य थे.वह एक बेहद अहम संघर्ष था, क्योंकि दूसरे विश्वयुद्ध में सभी आप्रवासन रोक दिये गये थे. साल 1946 में ल्यूस-सेलार कानून के तहत भारतीयों को विशेष श्रेणी देकर उनके आप्रवासन की अनुमति दी गयी. यह इंडिया लीग के अध्यक्ष जेजे सिंह के दोनों दलों के कांग्रेस सदस्यों के साथ अभियान चलाने से ही हो सका था. इस कानून को प्रख्यात वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन, प्रसिद्ध लेखक पर्ल एस बक और कैलिफोर्निया के पूर्व गवर्नर अपटन सिंक्लेयर का समर्थन भी मिला था.भले ही इस कानून का झुकाव उत्तरी और पश्चिमी यूरोप के पक्ष में था, पर इससे अमेरिका में रह रहे तीन हजार भारतीयों को लाभ हुआ और उन्हें नागरिकता मिल गयी. साल 1952 में एक आप्रवासन कानून पारित हुआ, जिसमें एशियाई देशों के लिए हर साल महज सौ वीजा देने का ही प्रावधान था.असली फायदा 1965 में लिंडन जॉनसन के राष्ट्रपति रहते हुए बने कानून से हुआ, जिसमें देशों के कोटा सिस्टम को खत्म कर प्रवासी परिवारों की एकजुटता को बढ़ावा दिया गया, लेकिन दक्षिण एशिया से आये परिवारों की जीवनशैली एकाकी थी और उनकी गतिविधियां मंदिरों-मस्जिदों और दक्षिण एशियाई त्योहारों तक सीमित थीं. भारतीय समुदाय की संख्या तो बढ़ रही थी, पर वह राजनीति से अलग-थलग ही रहा.अस्सी के दशक में युवा कांग्रेस के पूर्व कार्यकर्ता डॉ जॉय चेरियन तथा उनके साथियों- कृष्णा श्रीनिवास, गोपाल वशिष्ठ, दिनेश पटेल, डॉ सुरेश प्रभु, स्वदेश चटर्जी आदि कई लोगों ने भारतीय अमेरिकियों से राजनीति में भाग लेने का आह्वान किया. इनमें दोनों दलों से संबद्ध लोग थे. उन्होंने 1963 में टॉम डाइन द्वारा स्थापित यहूदी लॉबी समूह की तर्ज पर काम करना शुरू किया.भारत के हितों को आगे बढ़ाने के इरादे से 1983 में दोनों दलों से जुड़े लोगों का एक समूह बनाया गया. डॉ थॉमस अब्राहम और इंदर सिंह जैसे कार्यकर्ताओं ने भारतीय अमेरिकियों के दायरे को फिजी, गुयाना, सुरीनाम आदि देशों तक बढ़ाया, जहां कभी गिरमिटिया मजदूर ले जाये गये थे. इन्होंने 1989 में वैश्विक भारतीय प्रवासियों का एक संगठन बनाया. इन प्रयासों से भारतीय आप्रवासी अधिक दिखने लगे. ये सभी धर्मनिरपेक्ष और दोनों दलों से संबद्ध थे तथा इनमें सभी धर्मों और समुदायों की उपस्थिति थी.

दुर्भाग्य से इस आंदोलन को पहला बड़ा झटका वरिष्ठ कांग्रेस नेता सिद्धार्थ शंकर रे ने दिया, जो अमेरिका में भारत के राजदूत थे. साल 1993 में उन्होंने ओवरसीज फ्रेंड्स ऑफबीजेपी को 1893 में विवेकानंद द्वारा शिकागो में दिये गये प्रसिद्ध भाषण के शताब्दी समारोह से अलग कर दिया. कारण यह बताया गया कि यह भारत सरकार का आधिकारिक कार्यक्रम है.उस समय से भारतीय अमेरिकियों का भाजपा से संबद्ध हिस्सा भारतीय अमेरिकी संगठनों के आयोजनों से दूरी बरतने लगा. दरार बढ़ने के इस सिलसिले को 2014 से और बढ़ावा मिला. प्रधानमंत्री और अन्य उच्च स्तरीय दौरों में भाजपा या राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से संबद्ध या उनके समर्थकों को ही शामिल किया जाने लगा. बाकियों को आमंत्रित नहीं किया जाता.साल 2016 के चुनाव से ठीक पहले एक नया संगठन- हिंदूज फॉर ट्रंप- का गठन हुआ था. इससे दोनों दलों से संबद्ध लोगों के समूह ने खुद को अलग-थलग महसूस किया. इसका नतीजा यह हुआ कि अमेरिका में भारत के पक्ष में सक्रिय लॉबी कमजोर हुई है और इसका फायदा पाकिस्तान को मिला है, क्योंकि भारतीय अमेरिकी गतिविधियों से गैर-हिंदुओं को हटा दिया गया है.

सर्दियों में हाथ-पैर की सूजन से हैं परेशान, अपनाएं बचाव के ये खास उपाय

सर्दी के मौसम में बहुत से लोगों को चिलब्लेन की समस्या से परेशान रहते हैं चिलब्लेन यानि की हाथ-पैर की उंगलियों का ठंड के चलते सूज जाना। सूजन के साथ इससे हाथ-पैर में दर्द भी होता है। ज्यादातर लोग इसे गंभीरता से नहीं लेते हैं लेकिन इस ओर ध्यान देना भी जरूरी है क्योंकि ठंड के चलते नसें सिकुड़ने लगती हैं जिसका असर ब्लड सर्कुलेशन पर पड़ता है जिससे सूजन पड़ने लगती हैं। इस समस्या से आराम पाने के लिए आयुर्वेदिक उपाय व घरेलू नुस्खों को अपना सकते हैं।

पहला नुस्खा-सरसों तेल का

4 चम्मच सरसों तेल में 1 चम्मच सेंधा नमक मिलाकर गर्म करें और इससे सोने से पहले सूजन वाली उंगलियों पर लगाएं और दस्ताने व मोजे पहन कर सो जाए। आप जैतून तेल को गर्म करके मालिश भी कर सकते हैं। गर्म तेल की मालिश से रक्त का प्रवाह सही से होगा। लगातार इस नुस्खे को करेंगे तो आपको फर्क दिखाई देगा।

एंटीसेप्टिक हल्दी

हल्दी शरीर में सूजन व दर्द दोनों ही नहीं होने देती है। आप हल्दी वाला दूध पी सकतेहैं। वहीं हल्दी में थोड़ा सा पानी मिलाकर पेस्ट बनाकर उसे भी लगा सकते हैं।

सेंधा नमक की सिंकाई

हाथ-पैर में सूजन और जलन से बचने के लिए गर्म पानी में सेंधा नमक मिलाकर 10 से 15 मिनट पानी में रखें। दर्द और सूजन दोनों ही गायब हो जाएंगे।

तेल और मोमबत्ती

यह नुस्खा भी बेहद फायदेमंद है। एक कटोरी में सरसों के तेल को गर्म करें और फिर उसमें एक मोमबत्ती डालें और पूरा पिघलने तक इसे गर्म करें ठंडा करके इसे सूजन वाली जगह पर लगाकर मसाज करें। आराम मिलेगा।

प्याज का ऐसे करें उपयोग

एंटी-बायोटिक और एंटी-सेप्टिक गुण होने के कारण प्याज भी सूजन को दूर करता है। प्याज के रस को सूजन वाली जगह पर लगाएं और कुछ समय के लिए छोड़ दें। इससे खुजली भी कम होती है।

चिलब्लेन से ऐसे बचें

सारा दिन पानी में काम करना जरूरी है तो गर्म गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें।

बाहर निकलते समय दस्ताने व जुराबें जरूर पहनें। सीधा ऊनी नहीं बल्कि पहले सूती फिर उसके ऊपर उनी जुराबें पहनें। इन नुस्खों से ही आपको जल्द आराम मिलेगा।

मिशन शक्ति के अन्तर्गत छात्राओं को बांटे सैनिटरी पैड्स

माहवारी शर्माने की नही गर्व की बात है: मंजू शर्मा

लखनऊ। राजधानी के निशातगंज स्थित आर्य कन्या पाठशाला इण्टर कालेज में माहवारी पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। सृजन फाउन्डेशन के माहवारी स्वच्छता अभियान हिम्मत के अन्तर्गत कार्यशाला आयोजित की गयी। जिसमें माहवारी के विभिन्न पहलुओं से छात्राओं अवगत कराया गया। हिम्मत अभियान के समन्वयक अमित सक्सेना में छात्राओं को बताया कि पीरियड्स उनके सम्मान के पात्र है। पीरियड्स के दौरान होने वाली परेशानियों की समस्याओं के समाधान के साथ मंदिर न जाना, पूजा आदि न करने के पीछे के वैज्ञानिक कारणों को भी बताया। प्रधानाचार्या मंजू शर्मा ने छात्राओं को संबोधित करते हुये कहा कि माहवारी का होना शर्म की बात नहीं है बल्कि गर्व करने की बात है। जिला विज्ञान प्रगति अधिकारी डा0 दिनेश कुमार ने प्रधानाचार्या मंजू शर्मा को छात्राओं की हिम्मत बढ़ाने के लिये और विद्यालय में इस तरह के प्रेरणादायी आयोजन कराने के लिये बधाई दी। उन्होने कहा कि सभी विद्यालयों को इस तरह के आयोजन अपने यहां कराने चाहिये। इस कार्यशाला में भावना मौर्या, शशि तिवारी, अर्चना द्विवेदी, अर्पणा तिवारी, उषालता रस्तोगी आदि शिक्षिकाओं ने उपस्थित होकर छात्राओं का हौसला बढ़ाया। कार्यशाला के अन्त में सभी छात्राओं को हिम्मत सैनिटरी पैड्स बांट कर उनकी हिम्मत बढ़ायी गयी।

गुफ्रान आईएसपी महासचिव मनोनीत

बाराबंकी। स्वामी विवेकानंद का 158 वां जन्मदिन इंडियन स्टूडेंट पॉवर के कार्यालय पर मनाया गया। साथ ही कार्यक्रम में संगठन का विस्तार किया गया संगठन का विस्तार करते हुए संगठन अध्यक्ष सिद्धार्थ कनौजिया ने मुकुल मौर्य जी को सर्वसम्मति से बाराबंकी जनपद का जिला संयोजक नियुक्त किया गया। संगठन के महासचिव गुफ्रान वारसी ने व प्रिंस कनौजिया ने नियुक्ति पत्र देकर व माला पहनाकर सम्मानित किया । कार्यक्रम में सिद्धार्थ कनौजिया ने कहा कि सामाजिक कौशल, व्यवहार,बढ़ी हुई शैक्षिक उपलब्धि, आत्म सम्मान, आत्म प्रभावकारिता। इस समाज के लिए युवाओं की अहम भूमिका है। युवाओं की शक्ति पूरे देश के लिए सामान्य धन है।

टीसीएस का शेयर तीन प्रतिशत चढ़ा, 49500 के ऊपर बंद हुआ सेंसेक्स

मुंबई। शेयर बाजारों का रिकॉर्ड बनाने का सिलसिला बृहस्पतिवार को फिर शुरू हुआ। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), रिलायंस इंडस्ट्रीज और एलएंडटी जैसी कंपनियों के शेयरों में लाभ से सेंसेक्स 92 अंक चढ़कर अपने नए उच्चस्तर पर पहुंच गया। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स शुरुआती गिरावट से उबरकर 91.84 अंक या 0.19 प्रतिशत के लाभ से 49,584.16 अंक पर बंद हुआ। यह इसका नया सर्वकालिक उच्चस्तर है। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 30.75 अंक या 0.21 प्रतिशत के लाभ से 14,595.60 अंक के नए रिकॉर्ड पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में टीसीएस का शेयर सबसे अधिक करीब तीन प्रतिशत चढ़ गया।

इंडसइंड बैंक, एलएंडटी, आईटीसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर, रिलायंस इंडस्ट्रीज और सन फार्मा के शेयर भी लाभ में रहे। वहीं दूसरी ओर एचसीएल टेक, एक्सिस बैंक, एशियन पेंट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट और इन्फोसिस के शेयरों में गिरावट आई। रिलायंस सिक्योरिटीज के प्रमुख-रणनीति विनोद मोदी ने कहा कि एफएमसीजी और फार्मा शेयरों की अगुवाई में भारतीय शेयर बाजार दिन के निचले स्तर से उबरकर लाभ के साथ बंद हुए। अन्य एशियाई बाजारों में हांगकांग के हैंगसेंग, दक्षिण कोरिया के कॉस्पी और जापान के निक्की में लाभ दर्ज हुआ। चीन के शंघाई कम्पोजिट में गिरावट आई। शुरुआती कारोबार में यूरोपीय बाजार लाभ में थे। इस बीच, वैश्विक बेंचमार्क ब्रेंट कच्चा तेल 0.12 प्रतिशत के नुकसान से 55.99 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था।

देशवासियों ने 2020 में मोबाइल पर 39 फीसदी ज्यादा समय किया व्यतीत, 4.6 घंटे का है औसत

नयी दिल्ली। कोरोना वायरस महामारी पर काबू पाने के लिए लगाए गए लॉकडाउन के चलते लोगों ने अपना ज्यादतर समय मोबाइल फोन में गुजारा। यह हम नहीं कह रहे हैं बल्कि एप एनी की एक रिपोर्ट् सामने आई है जिसमें यह दावा किया जा रहा है। अंग्रेजी समाचार पत्र द टाइम्स ऑफ इंडिया में छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक साल 2020 में मोबाइल फोन पर समय 39 फीसदी ज्यादा बढ़ा है। जिसका मतलब है कि रोजाना लोगों ने 4.6 घंटे मोबाइल फोन पर व्यतीत किया। जबकि 2019 में यह महज 3.3 घंटे था।

कोरोना महामारी से बचने के लिए लोगों ने अपना ज्यादातर समय घरों पर गुजारा। ऐसे में उन्होंने टाइम पास करने के लिए मोबाइल का सहारा लिया और इतना ज्यादा खो गए कि रोजाना औसत 4.6 घंटे फोन में ही लगे रहे। वहीं, पिछले साल ऐप डाउनलोड की संख्या में भी बढ़ोत्तरी देखी गई है।

पहले की तुलना में भारत में ऐप डाउनलोड में 30 फीसदी का इजाफा हुआ और यह संख्या बढ़कर 24.27 अरब पर पहुंच गई। साल 2020 में एप स्टोर कंज्यूमर स्पेंड में भारत की रैंकिंग 25 नंबर पर है लेकिन इसमें सालाना आधार पर 35 फीसदी की वृद्धि हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक ऐप परचेज और सबक्रिप्शन के माध्यम से यूजर्स ने करीब 500 मिलियन डॉलर खर्च किए। ऐप डाउनलोड के मामले में चीन के बाद भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा बाजार है। रिपोर्ट के मुताबिक एप एनी के सीनियर इनसाइट मैनेर लेक्सी सिडो ने बताया कि पिछले साल डाउनलोड किए गए ऐप्स के मामले में हर पांच में से दो गेम ऐप डाउनलोड किए गए हैं।

रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचे पेट्रोल के रेट

नयी दिल्ली। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बृहस्पतिवार को लगातार दूसरे दिन 25-25 पैसे प्रति लीटर की और वृद्धि हुई। इससे वाहन ईंधन के दाम नयी ऊंचाई पर पहुंच गए हैं। पेट्रोलियम विपणन कंपनियों की मूल्य अधिसूचना के अनुसार पेट्रोल और डीजल दोनों के दाम 25-25 पैसे प्रति लीटर बढ़ाए गए हैं। दिल्ली में अब पेट्रोल 84.70 रुपये प्रति लीटर और डीजल 74.88 रुपये प्रति लीटर हो गया है। बुधवार को भी पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 25-25 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई थी। मुंबई में पेट्रोल के दाम 91.07 रुपये प्रति लीटरसे बढ़कर 91.32 रुपये प्रति लीटर और डीजल 81.34 रुपये प्रति लीटर से बढ़कर 81.60 रुपये प्रति लीटर हो गया है। दिल्ली में अब पेट्रोल के दाम अपने सर्वकालिक उच्चस्तर पर हैं। वहीं मुंबई में डीजल की कीमत रिकॉर्डस्तर पर पहुंच गई है। सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों...इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (एचपीसीएल) ने छह जनवरी से वाहन ईंधन कीमतों में संशोधन फिर शुरू किया है। इससे पहले करीब एक माह तक ईंधन कीमतों में संशोधन नहीं हुआ था। वाहन ईंधन कीमतों में बढ़ोतरी का सिलसिला अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल के दाम फरवरी, 2020 के बाद उच्चस्तर पर पहुंचने के बाद फिर शुरू हुआ है। हालांकि, बृहस्पतिवार को कच्चे तेल की कीमतों में कुछ गिरावट आई। ब्रेंट कच्चा तेल 11 सेंट टूटकर 55.95 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। एनवाईएमईएक्स लाइट स्वीट क्रूड 10 सेंट के नुकसान से 52.81 डॉलर प्रति बैरल रह गया। इससे पहले चार अक्टूबर, 2018 को दिल्ली में पेट्रोल 84 रुपये प्रति लीटर के उच्चस्तर पर पहुंचा था। इसी दिन डीजल भी 75.45 रुपये प्रति लीटर के रिकॉर्डस्तर पर था।

प्रधानमंत्री कौशल योजना का तीसरा चरण शुक्रवार को होगा लॉन्च

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई 3.0) का तीसरा चरण शुक्रवार को शुरू होगा। सरकार की कौशल प्रदान करने की इस प्रमुख योजना का तीसरा चरण देश के सभी राज्यों के 600 जिलों में शुरू होने जा रहा है। पीएमकेवीवाई 3.0 के तहत योजना की 2020-21 की अवधि के दौरान आठ लाख लोगों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसपर 948.90 करोड़ रुपये खर्च होंगे। बृहस्पतिवार को जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि कौशल एवं उद्यमिता मंत्रालय की अगुवाई वाले इस कार्यक्रम के तीसरे चरण में नयी-पीढ़ी और कोविड से संबंधित प्रशिक्षण प्रदान पर ध्यान दिया जाएगा। इस योजना की शुरुआत कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री महेंद्र नाथ पांडेय करेंगे।

बयान में कहा गया है कि 729 प्रधानमंत्री कौशल केंद्र (पीएमकेके), पैनल वाले गैर-पीएमकेके प्रशिक्षण केंद्र, कुशल भारत के तहत 200 से अधिक औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान योजना के तीसरे चरण में उम्मीदवारों को कौशल प्रशिक्षण देंगे। पीएमकेवीवाई 1.0 और पीएमकेवीवाई 2.0 से मिले अनुभव के आधार पर कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय ने इसके नए संस्करण में सुधार किया है। इसे कोविड-19 महामारी की वजह से पैदा हुई स्थिति के अनुरूप बनाया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 जुलाई, 2015 को कुशल भारत मिशन की शुरुआत की थी। पीएमकेवीवाई से इस अभियान को रफ्तार मिली है।

स्ट्रैंडजा मेमोरियल से वापसी के लिये तैयार हैं भारतीय मुक्केबाज, 21 से 28 फरवरी के बीच होगा मुकाबला

नयी दिल्ली। कोविड-19 महामारी के कारण लंबे विश्राम के बाद भारतीय मुक्केबाज अगले दो महीनों में यूरोप में विभिन्न टूर्नामेंटों में हिस्सा लेंगे जिसकी शुरुआत बुल्गारिया में स्ट्रैंडजा मेमोरियल से होगी। भारतीय मुक्केबाजी के हाई परफोरमेन्स निदेशक सैंटियागो नीवा ओलंपिक खेलों के लिये अच्छी तैयारी चाहते हैं और इसलिए वह तोक्यो में होने वाले खेलों से पहले राष्ट्रीय चैंपियनशिप का आयोजन भी चाहते हैं। नीवा ने कहा, ''इस साल हम बुल्गारिया में स्ट्रैंडजा मेमोरियल से शुरुआत करेंगे और इसके बाद उम्मीद है कि हंगरी में और उसके बाद एक और टूर्नामेंट होगा। इसके अलावा हम बेंगलुरू में राष्ट्रीय शिविर में रहेंगे और हो सकता है कि कुछ विदेशी टीमों को आमंत्रित करें। '' स्ट्रैंडजा मेमोरियल यूरोपीय सर्किट का सबसे पुराना मुक्केबाजी टूर्नामेंट है।

इस साल इसका 72वां टूर्नामेंट 21 से 28 फरवरी के बीच सोफिया में होगा। नौ भारतीय मुक्केबाजों अमित पंघाल (52 किग्रा), मनीष कौशिक (63 किग्रा), विकास कृष्णन (69 किग्रा), आशीष कुमार (75 किग्रा), सतीश कुमार (91 किग्रा से अधिक), एमसी मेरीकॉम (51 किग्रा), सिमरनजीत कौर (60 किग्रा), लवलीना बोर्गोहेन (69 किग्रा), और पूजा रानी (75 किग्रा) - ने ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर लिया है। कुछ और भारतीय मुक्केबाज ओलंपिक खेलों से एक या दो महीने पहले होने वाले विश्व क्वालीफायर्स के जरिये भी तोक्यो का टिकट कटा सकते हैं। कोविड-19 के कारण तोक्यो खेलों को एक साल के लिये स्थगित किया गया है। भारतीय मुक्केबाज अभी बेल्लारी के इन्स्पायर खेल संस्थान में हैं जो कि जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के इस संस्थान में उच्चस्तरीय सुविधाएं हैं।

फुटबॉल खिलाड़ियों से परेशान ब्रिटिश सरकार, कोरोना प्रोटोकॉल फॉलो करने की दी चेतावनी

लंदन। फुटबॉल खिलाड़ियों के मैदान पर जश्न मनाते हुए गले लगने और चुंबन देने से परेशान ब्रिटिश सरकार ने कोरोना संक्रमण के खतरे से बचने के लिये खिलाड़ियों को इससे गुरेज रखने के लिये कहा है। प्रीमियर लीग टीमों में कोरोना संक्रमण के कारण कई मैच स्थगित करने पड़े हैं। इस मद्देनजर खेलमंत्री नाइजेल हडलस्टोन ने

बुधवार को ट्वीट किया ,'' देश में सभी को अपने तौर तरीकों में बदलाव लाना होगा। फुटबॉलर भी अपवाद नहीं है। कोरोना प्रोटोकॉल फुटबॉल पर भी लागू होता है।'' हडलस्टोन ने इस ट्वीट के साथ वह खबर भी लिंक की है जिसमें लीग ने क्लबों को पत्र लिखकर खिलाड़ियों को हाथ मिलाने, हाई फाई और गले लगने से बचने के लिये कहा था। शेफील्ड युनाइटेड और मैनचेस्टर युनाइटेडमें खिलाड़ियों ने यह चेतावनी नहीं मानी और गोल करने पर पुराने अंदाज में ही जश्न मनाते पाये गए।

रकुल प्रीत सिंह 12 किलोमीटर की दूरी साइकिल से तय कर पहुंची मे-डे की शूटिंग पर

बॉलीवुड एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव है। वो अक्सर अपनी फोटोज और वीडियो फैंस के साथ शेयर करती रहती है। वो अपनी फिटनेस को लेकर भी काफी सीरियस है। ऐसे में अब रकुल प्रीत का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वो अजय देवगन की फिल्म मे-डे की शूटिंग के लिए साइकिल से जाते हुए दिख रही हैं। रकुल ने ये वीडियो अपने इंस्टाग्राम एकाउंट पर शेयर किया है। इस वीडियो में हेड गियर के साथ साइकिल चला रही हैं। वहीं, उनके पैरेलल चल रही एक कार से वीडियो शूट किया जा रहा है। रकुल ने इस वीडियो के साथ कैप्शन लिखा- अच्छा, मैं यहां कहना चाह रही हूं कि मैं सेट पर पहुंचने के लिए टाइम मैनेजमेंट कर रही हूं। इसके साथ रकुल ने बताया कि 12 किलोमीटर की दूरी वो साइकिल से तय कर रही हैं। उन्होंने मे-डे हैशटैग भी लिखा। रकुल के इस वीडियो पर कई सेलेब्स ने कमेंट किये हैं। बता दें, अब ये वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। अब तक इसे 3 लाख 50 हजार से भी ज्यादा लोग देख चुके है। अभी तो इस वीडियो का और भी फैलना बाकी है।

सुबह सुबह भयंकर ट्रैफिक में फंसी कैटरीना

बॉलीवुड एक्ट्रेस कैटरीना कैफ इन दिनों अपने प्रोजेक्ट्स के साथ काफी बिजी हैं। अब लॉकडाउन के बाद उन्होंने काम करना शुरू कर दिया है। इस वक्त वो अपनी आने वाली फिल्मों की शूटिंग कर रही है। इस वक्त उनके हाथो में कई बड़े प्रोजेक्ट्स है। वो आगे फोन भूत, टाइगर 3 जैसी फिल्मो में जल्द ही नजर आने वाली हैं। फिलहाल कैटरीना कैफ किसी और वजह से खबरों में है। दरअसल, आज सुबह उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर भयंकर ट्रैफिक में फंसे होने की तस्वीर शेयर की। अभी तक ये तो पता नहीं चल पाया है कि एक्ट्रेस कहां जा रही थीं। लेकिन तस्वीर से ये साफ हो रहा था कि कैटरीना कैफ भारी ट्रैफिक जाम में कही फंसी हुई थी। आपको बता दे, ये तस्वीर उन्होंने सुबह 6.58 मिनट पर क्लिक की थी। इन दिनों कैटरीना कैफ अपने इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव रहती हैं। वैसे कैटरीना कैफ के नाम को फिलहाल विक्की कौशल से जोड़ा जा रहा है। इन दिनों इनकी डेटिंग की खबरों से मीडिया का बाजार गरम है।

रिलीज हुआ द फैमिली मैन 2 का टीजर, कहानी में बेहतरीन ट्विस्ट

मनोज बाजपेयी की मोस्ट अवेटेड सीरीज 'द फैमिली मैन 2 को लेकर फैंस के बीच काफी क्रेज बना हुआ था। जिसके बाद आज इस सीरीज का टीजर रिलीज कर दिया गया है। आपको बता दें, यह सीरीज 12 फरवरी को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी।

सीरीज का टीजर कमाल का है। जिसमें मनोज का बदला हुआ अंदाज नजर आ रहा है। द फैमिली मैन सीरीज राज एंड डीके ने निर्देशन में बनी है, जो थ्रिलर फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। 2019 में इसका पहला सीजन आया था, जो काफी सफल रहा। मनोज बाजपेयी के किरदार को परिवारिक जिम्मेदारियों के साथ खतरनाक मिशन को अंजाम देते देखना फैंस को खूब रास आया। पहले सीजन में 10 एपिसोड्स थे। पहले सीजन की कहानी एक संभावित आतंकी हमले को रोकने की भागमभाग पर आधारित थी। दूसरा सीजन प्राइम पर 12 फरवरी को स्ट्रीम किया जाएगा। द फैमिली मैन सीजन 2 की कहानी में एक बेहतरीन ट्विस्ट है। पहले सीजन में जम्मू कश्मीर और वहां पनाह लिए आतंकवादियों को दिखाया गया था। दूसरे सीजन में आतंक के तार विदेश से भी जुड़े होंगे। सूत्रों के मुताबिक, दूसरे सीजन की शूटिंग चेन्नई के साथ-साथ लंदन के भी कुछ हिस्सों में की गई है। लंदन जाकर इसकी कहानी रोचक मोड़ लेगी। इस सीजन में सामंथा अक्किनेनी भी खास भूमिका में नजर आएंगी।

अमिताभ बच्चन ने पूरी की 'कौन बनेगा करोड़पति 12' की शूटिंग

सदी के महानायक अमिताभ बच्चन ने चर्चित टीवी शो कौन बनेगा करोड़पति के मौजूदा सीजन की शूटिंग को पूरा कर लिया है। हाल ही में दिग्गज अभिनेता ने अपने ब्लॉग पर प्रशंसकों को यह जानकारी दी इसी के साथ अपने रिटायर होने की भी बात कही। उन्होंने बताया केबीसी सीजन 12 की शूटिंग पूरी कर ली है। वहीं इसे लेकर उन्होंने एक इमोशनल ब्लॉग भी लिखा है जिसे अब पढ़कर उनके फैंस काफी ज्यादा उदास हैं। अमिताभ बच्चन ने अपने ब्लॉग में रिटायरमेंट का जिक्र करते हुए लिखा है,मैं अब थक चुका हूं और रिटायर हो रहा हूं। मैं माफी चाहता हूं आप सभी से। कौन बनेगा करोड़पति की शूटिंग का यह आखिरी दिन बहुत लंबा रहा है,शायद कल बेहतर हो पाऊंगा, लेकिन याद रखिएगा काम तो काम होता है और इसे पूरी शिद्दत से किया जाना चाहिए। अमिताभ ने आगे लिखा,जो प्यार और स्नेह पैदा किया गया वह शूट के आखिरी दिन विदाई देता है सब एकसाथ जमा हुए। चाहत तो कभी न रुकने की है लेकिन आगे बढ़ते रहना है,मैं उम्मीद करता हूं कि यह जल्द ही दोबारा हो। क्रू और टीम काफी केयरिंग और हार्ड वर्किंग थी,ये वैसी चीजें हैं जो सेट से आपको खींचती हैं पूरी टीम साथ इकट्ठी हुई, जिनके पास एक-दूसे के सात बिताई कई महीनों की अच्छी यादें हैं।' सेट पर प्यार, केयर, स्नेह और गिफ्ट्स और सराहना का आदान-प्रदान किया गया और पूरी टीम की ओर से बहुत ही सुंदर जेश्चर रहा। आगे बढ़ते रहते हैं और आंसू बहते हैं लेकिन एक कल नया दिन होता है। बता दें अमिताभ बच्चन जल्द ही 80 साल के हो जाएंगे, मगर उनके पास अभी भी काम की कोई कमी नहीं है। महानायक की फिल्म ब्रह्मास्त्र की शूटिंग पूरी हो चुकी है और फिल्म रिलीज होने को तैयार है। अयान मुखर्जी के निर्देशक में बनी इस फिल्म में बिग बी के अलावा रणवीर कपूर, आलिया भट्ट, नागार्जुन और मौनी रॉय भी नजर आएंगे। वहीं अमिताभ के पास इस फिल्म के अलावा कई अन्य और भी प्रोजेक्ट्स हैं। जिनमें चेहरे,बटरफ्लाई,झुंड और मेडे जैसी फिल्में शामिल हैं।

द गर्ल ऑन द ट्रेन का सस्पेंस से भरा टीजर हुआ रिलीज, खतरनाक अंदाज में दिखी परिणीति चोपड़ा

कोरोना वायरस पैनडेमिक के चलते 2020 में हमने देखा कि कई बड़ी और चर्चित फिल्मों ने सिनेमाघर बंद होने की वजह से ओटीटी रिलीज का रास्ता चुना था। ये सिलसिला 2021 में भी जारी है। नये साल में इसकी शुरुआत परिणीति चोपड़ा की फिल्म द गर्ल ऑन द ट्रेन के साथ हुई है,जो सिनेमाघरों के बजाय नेटफ्लिक्स पर रिलीज की जा रही है।ऐसे में एक्ट्रेस की फिल्म का पहला टीजर रिलीज हो चुका है। टीजर को देखकर ये पता लगाना मुश्किल है कि एक्ट्रेस इस फिल्म के अंदर क्या भूमिका निभा रही हैं। लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो परिणीति चोपड़ा इस फिल्म में अंडरकवर एजेंट की भूमिका निभाएंगी। फिल्म की कहानी चोपड़ा के किरदार के इर्द-गिर्द घूमती है जो भारतीय एजेंटों को बचाने के अभियान पर हैं। रिलीज हुए फिल्म के टीजर में एक्ट्रेस हमें विदेश में हैरान होकर घुमती नजर आ रही हैं। वीडियो को देखने के बाद लगता है कि एक्ट्रेस किसी की तलाश में हैं। अब फिल्म के अंदर क्या है, क्या नहीं इसके कयास ही लगाए जा सकते हैं। इस टीजर को शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने लिखा 卐द गर्ल ऑन द ट्रेन' चलिए इसे भी करते हैं, 26 फरवरी सिर्फ नेटफ्लिक्स पर卐 फिल्म का टीजर जिस अंदाज में रिलीज किया गया है उसे देखकर ये कहना गलत नहीं होगा कि लोग इसकी तरफ आकर्षित होंगे। बिना किसी के जानकारी के इस तरह से फिल्म का टीजर रिलीज करना एक अलग सा प्रचार है जो फिल्म की टीम ने करने की सोची है जो कि एक अच्छी पहल है। इस फिल्म में परिणीति के साथ हमें अदिति राव हैदरी, कृति कुल्हारी समेत कई और सितारे नजर आने की उम्मीद की जा रही है।

अंदाज-ए-लखनऊ

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अली हसन द्वारा सीता आफसेट हुसैनगंज लखनऊ से मुद्रित एवं 67/63 लालकुआं लखनऊ प्रकाशित।

सम्पादक : अली हसन

मो नं.-8604223368

RNI No. UPHIN/2010/33668

Email Id. andazelucknow@gmail.com

प्रबंध संपादक
फ़ैजान सिद्दीकी

उप सम्पादक
मनीष कुमार सच्चिदानंद

ब्यूरो चीफ : राहुल शुक्ला

छायाकार : सदफ हसन (शानू)

समस्त विवादों का निस्तारण लखनऊ न्यायलय के अधीन होगा।